epaper.dehatsandesh.com

3 जेयू में स्कूल इंटर्नशिप, शोध प्रबंध और परियोजना कार्य पर व्याख्यान

5 इंग्लैंड के खिलाफमध्यक्रम को लचीला बनाए रखेगा भारत: अक्षर

8 खाद्य सुरक्षा विकास की गारंटी है

मौसम जम्मू
न्यूनतम 8
अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-21 | जम्मू तवी, बुधवार 22 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

उमर ने बदहाल के शोकग्रस्त परिवारों से मुलाकात की, न्याय और सहायता का किया वादा

राजौरी, 21 जनवरी । जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को राजौरी जिले के बडाल गांव का दौरा किया और शोक संतप्त परिवारों के साथ सहानुभूति व्यक्त की जिनके 13 बच्चों सहित 17 सदस्यों की पिछले डेढ़ महीने में रहस्यमय परिस्थितियों में हो गई है।

अधिकारियों ने बताया कि राजौरी जिला मुख्यालय से लगभग 55 किलोमीटर दूर पहाड़ी गांव पहुंचने के तुरंत बाद उमर नेशनल कॉन्फ्रेंस के स्थानीय विधायक जावेद इकबाल चौधरी के साथ कब्रिस्तान गए और मृतकों के लिए 'फतेह' (विशेष प्रार्थना) की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिवारों के साथ सहानुभूति व्यक्त की जिनमें मोहम्मद असलम भी शामिल हैं जिन्होंने अपने छह बच्चों को खो दिया और उनके मामा और मौसी को भी। असलम और उनकी पत्नी त्रासदी के बाद अपने परिवार में एकमात्र जीवित बचे हैं।

7 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच गांव में एक-दूसरे से जुड़े तीन परिवारों के 17 लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। मुख्यमंत्री का दौरा ऐसे दिन हो रहा है जब मौतों के कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयीय टीम अपनी जांच के तहत गांव का दौरा कर रही है। इससे पहले जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि जांच और नमूनों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि ये घटनाएं बैक्टीरिया या वायरल मूल की किसी संक्रामक बीमारी के कारण नहीं हुई हैं और इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य का कोई पहलू नहीं है। मृतकों के नमूनों में कुछ न्यूरोटॉक्सिन पाए जाने के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। अधिकारियों ने हाल ही में गांव में एक झरने को सील कर दिया था क्योंकि इसके पानी में कुछ कीटनाशक पाए गए थे।उन्होंने जनता को आष्वासन दिया कि त्रासदी के कारणों का पता लगाने के लिए विस्तृत जांच चल रही है। उन्होंने कहा, 卐नागरिक प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मामले को सक्रिय रूप से सुलझा रहे हैं, जबकि पुलिस ने घटना की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन किया है। इसके अतिरिक्त, एक केंद्रीय टीम को नियुक्त किया गया है जो इस दुर्भाग्यपूर्ण जीवन हानि के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए लगन से काम कर रही है।卐 दौरे के दौरान बदहाल के विधायक जावेद इकबाल चौधरी ने प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने का प्रस्ताव पेश किया। मुख्यमंत्री ने पुष्टि की कि प्रस्ताव पर सक्रियता से विचार किया जा रहा है और समय पर कार्रवाई का वादा किया।

अंतर-मंत्रालयीय टीम द्वारा बडाल गांव में 17 मौतों की जांच दूसरे दिन भी जारी

राजौरी, 21 जनवरी । जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले के बडाल गांव में तीन परिवारों के 17 सदस्यों की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए एक उच्च स्तरीय अंतर-मंत्रालयीय टीम ने मंगलवार को दूसरे दिन भी अपनी जांच जारी रखी।

अधिकारियों ने बताया कि गृह मंत्रालय में निदेशक स्तर के एक अधिकारी की अध्यक्षता वाली केंद्रीय टीम ने जांच के तहत सोमवार को गांव में करीब छह घंटे बिताए। अधिकारियों ने बताया कि टीम आज सुबह राजौरी से बडाल गांव लौटी और नमूने एकत्र करने तथा तीन परिवारों के जीवित सदस्यों और ग्रामीणों से बातचीत जैसी अपनी गतिविधियां फिर से शुरू कर दीं।

गृह मंत्री अमित शाह ने राजौरी शहर से करीब 55 किलोमीटर दूर सुदूर गांव में एक-दूसरे से जुड़े तीन परिवारों में 7 दिसंबर से 19 जनवरी के बीच हुई मौत के कारणों का पता लगाने के लिए अंतर-मंत्रालयीय टीम के गठन का आदेश दिया था।

इससे पहले जम्मू-कश्मीर सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि जांच और नमूनों से यह स्पष्ट संकेत मिलता है कि ये घटनाएं बैक्टीरिया या वायरल मूल की संक्रामक बीमारी के कारण नहीं हुई थीं और इसमें सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़ा कोई पहलू नहीं है। हालांकि मृतकों के नमूनों में कुछ न्यूरोटॉक्सिन पाए जाने के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया था। अधिकारियों ने हाल ही में गांव में एक झरने को सील कर दिया था क्योंकि इसके पानी में कुछ कीटनाशक पाए गए थे।

अधिकारियों के अनुसार केंद्रीय टीम स्थानीय प्रशासन के साथ मिलकर तत्काल राहत प्रदान करने के साथ-साथ भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने पर काम करेगी। स्थिति को संभालने और मौतों के कारणों को समझने के लिए देश के कुछ सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों की व्यवस्था की गई है। मरीजों ने अस्पताल में भर्ती होने के कुछ दिनों के भीतर मरने से पहले बुखार, दर्द, मतली, तेज पसीना और बेहोशी की शिकायत की थी।

सिलेंडर फटने से मां और उसके बच्चे की मौत

पुंछ 21 जनवरी । पुंछ जिले की मंडी तहसील के ब्लॉक साथरा के सुदूर जंद्रोला इलाके में मंगलवार को सिलेंडर फटने से एक मां और उसके बच्चे की मौत हो गई। एक अधिकारी ने बताया कि पुंछ जिले के सुदूर जंडलोरा इलाके में सिलेंडर फटने से मां और उसके बच्चे की मौत हो गई। गैस सिलेंडर उस समय फटा जब मां शाजिया रसोई में काम कर रही थी। अधिकारियों ने बताया कि दोनों की पहचान शाजिया अख्तर 28 और उसके एक वर्षीय बच्चे के रूप में हुई है दोनों मुहम्मद सज्जाद के घर में रहते थे। इस बीच पुलिस ने घटना का संज्ञान लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

पशु तस्करी प्रयास विफल, 17 गोवंश को बचाया, 01 गिरफ्तार

कठुआ 21 जनवरी। जिले में गोवंश तस्करों पर शिकंजा कसते हुए एसएसपी कठुआ शोभित सक्सेना की देखरेख में राजबाग पुलिस ने एनएचडब्ल्यू राजबाग क्षेत्र से कुल 17 गोवंश को बचाया जबकि इसमें शामिल 01 व्यक्ति को गिरफ्तार कर 01 ट्रक जब्त किया है।

जानकारी के अनुसार एसडीपीओ बॉर्डर की देखरेख में एसएचओ पुलिस स्टेशन राजबाग के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन राजबाग की पुलिस टीम ने राजबाग क्षेत्र में नाका चेकिंग के दौरान पंजीकरण संख्या जेके02सीएस-8087 वाले एक ट्रक को जांच के लिए रोका। जांच के दौरान वाहन में 17 गोवंश बेरहमी से भरे हुए पाए गए, जिन्हें मुक्त कराया गया और चालक को मौके पर गिरफ्तार किया गया तथा 01 ट्रक को मौके पर ही जब्त कर लिया गया।

चालक की पहचान इम्तियाज अहमद पुत्र मीर हुसैन निवासी मदना सुरनकोट के रूप में हुई है। पुलिस स्टेशन राजबाग में एफआईआर नंबर 13/2025 यू/एस 223/बीएनएस, 11/पीसीए अधिनियम के तहत तत्काल मामला दर्ज कर लिया गया है जबकि इस मामले की आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

2 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया

श्रीनगर 21 जनवरी । नशे के खतरे के खिलाफ अपने अथक अभियान को जारी रखते हुए पुलिस ने बारामुला और हंदवाड़ा में 2 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है और उनके कब्जे से प्रतिबंधित पदार्थ बरामद किए हैं। एसएचओ पीएस बोनियार के नेतृत्व में पुलिस स्टेशन बोनियार की एक पुलिस पार्टी ने हुंडी नौशेरा में स्थापित एक चौकी पर एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 10 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। उसकी पहचान मलिक सज्जाद पुत्र नजीर अहमद निवासी पंडितपुरा के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर पुलिस स्टेशन ले जाया गया है।

इसी तरह हंदवाड़ा में कलमाबाद चौक पर स्थापित एक चौकी पर एक पुलिस पार्टी ने एक संदिग्ध व्यक्ति को रोका। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 25 ग्राम प्रतिबंधित चरस जैसा पदार्थ बरामद किया गया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है और उसकी पहचान जाविद अहमद वार पुत्र घ नबी वार निवासी लाच मावर के रूप में हुई है।

26 जनवरी के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है : आईजी कश्मीर

श्रीनगर, 21 जनवरी । पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) कश्मीर विधि कुमार बिरदी ने मंगलवार को कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल सुनिश्चित करने के लिए पूरे क्षेत्र में बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए आईजीपी ने कहा कि निगरानी बढ़ाने, चौकियों और अतिरिक्त सुरक्षाबलों की तैनाती सहित व्यापक उपायों का उद्देश्य समारोह के दौरान कानून और व्यवस्था बनाए रखना है। सोपोर मुठभेड़ पर आईजीपी ने कहा कि अभियान एक सैन्यकर्मी के बलिदान के साथ समाप्त हो गया है। आईजीपी ने कहा कि विशिष्ट खुफिया सूचनाओं के आधार पर शुरू किए गए इस अभियान में एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया। गोलीबारी के दौरान सेना का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया और बाद में उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

जम्मू में अज्ञात हमलावरों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर की हत्या

जम्मू, 21 जनवरी । जम्मू में अज्ञात हमलावरों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी। अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार दोपहर जम्मू के ज्वेल चौक इलाके में कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी।

एक अधिकारी ने बताया कि एसयूवी में यात्रा कर रहे व्यक्ति पर अज्ञात व्यक्तियों ने हमला किया जो पहले से ही ज्वेल चौक पर मौजूद थे। उन्होंने कहा कि उन पर चार गोलियां चलाई गईं और वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को सरकारी मेडिकल कॉलेज जम्मू ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया जबकि अज्ञात हमलावर मौके से भागने में सफल रहे।

पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई है और हमलावरों को पकड़ने के लिए व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

कोई आतंकी एंगल नहीं, प्रतिद्वंद्वी गिरोह ने की है व्यक्ति की हत्या : पुलिस

जम्मू, 21 जनवरी। कोई आतंकी एंगल नहीं है प्रतिद्वंद्वी गिरोह ने की है व्यक्ति की हत्या की है। यह जानकारी जम्मू पुलिस ने दी है।जम्मू के ज्वेल चौक इलाके में एक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या के बाद पुलिस ने सोमवार को किसी भी आतंकी पहलू से इनकार किया और कहा कि यह घटना गिरोह की प्रतिद्वंद्विता का नतीजा थी। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), जम्मू आनंद जैन ने संवाददाताओं से कहा कि यह घटना गिरोह की प्रतिद्वंद्विता के कारण हुई।

कूरियर से ले जाई जा रही अवैध दवाओं की बड़ी खेप जब्त

श्रीनगर, 21 जनवरी। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ अभियान में श्रीनगर पुलिस ने करण नगर में कूरियर से ले जाई जा रही अवैध दवाओं की एक बड़ी खेप को सफलतापूर्वक जब्त किया है। यह कार्रवाई मंगलवार को छोटा बाजार स्थित श्री मारुति कूरियर सर्विस के परिसर में की गई।

पुलिस ने कहा कि विश्वसनीय सूचना पर कूरियर कार्यालय में तलाशी ली गई, जिसके परिणामस्वरूप बड़ी मात्रा में अवैध दवाएं बरामद हुईं। जब्त की गई दवाओं में मैवरिक्स-टी कोडीन की 220 बोतलें, स्पैस्मोप्रोक्सीवोन के 15 बॉक्स (प्रति बॉक्स 7 स्ट्रिप्स), और प्रीगैबलिन की 60 स्ट्रिप्स शामिल हैं।

बरामदगी के बाद पुलिस स्टेशन करण नगर में मामला दर्ज किया गया ।

पत्नीटॉप में करीब 15 करोड़ मूल्य के दो होटल ईडी द्वारा जब्त

जम्मू, 21 जनवरी । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत जम्मू-कश्मीर के पर्यटन स्थल पत्नीटॉप में करीब 15 करोड़ रुपये मूल्य के दो होटलों को जब्त किया है।

एजेंसी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि दो होटल त्रिनेत्र रिसॉर्ट्स और होटल ग्रीन ऑर्किड पत्नीटॉप विकास प्राधिकरण (पीडीए) द्वारा अनुमति क्षेत्र से बाहर बनाई गई थीं।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत होटलों को जब्त करने के लिए एक अंतिम आदेश जारी किया था। दोनों अचल संपत्तियों की कीमत 14.93 करोड़ रुपये है।

मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सीबीआई की एक प्राथमिकी से उपजा है जो पीडीए अधिकारियों के अलावा पत्नीटॉप क्षेत्र में होटलों, गेस्ट हाउस, रिसॉर्ट्स, कॉटेज और आवासों के विभिन्न मालिकों और निदेशकों के खिलाफ दर्ज की गई थी।

सीबीआई की शिकायत में आरोप लगाया गया था कि ये होटल आवासीय भवनों के व्यावसायिक उपयोग में संलिप्त थे, स्वीकृत सीमाओं से परे अत्यधिक निर्माण किया और निषिद्ध क्षेत्रों (घने जंगलों, कृषि क्षेत्रों, आवासीय क्षेत्रों आदि) में अपना व्यवसाय संचालित किया और इन खामियों को पीडीए अधिकारियों द्वारा नज़रअंदाज़ किया गया।

बीजेपी ने संगठनात्मक चुनाव के बाद नए जिला अध्यक्षों की घोषणा की

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के जम्मू क्षेत्र में संगठनात्मक चुनावों के बाद 15 संगठनात्मक जिलों के लिए भाजपा के नए जिला अध्यक्ष चुने गए।

इस संबंध में घोषणा भाजपा के संगठनात्मक चुनावों के रिटर्निंग अधिकारी राकेश महाजन ने की।

राकेश महाजन ने नए जिला अध्यक्षों के नामों की घोषणा करते हुए कहा कि भाजपा लोकतांत्रिक सिद्धांतों को सर्वोच्च सम्मान में बनाए रखने का गौरव रखती है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे पार्टी के संगठन पर्व के तहत हुआ है। उन्होंने नए जिला अध्यक्षों के नाम साझा करते हुए बताया कि गोपाल कृष्ण भाजपा के संगठनात्मक जिला बसोहली के नए जिला अध्यक्ष होंगे। उपदेश अंदोत्रा भाजपा के संगठनात्मक जिला कठुआ के नए जिला अध्यक्ष होंगे। आशा शर्मा भाजपा के संगठनात्मक जिला सांबा की नई जिला अध्यक्ष होंगी। रिंकू चौधरी भाजपा के संगठनात्मक जिला जम्मू बॉर्डर के नए जिला अध्यक्ष होंगे। नरेश सिंह जसरोटिया भाजपा के संगठनात्मक जिला जम्मू दक्षिण के नए जिला अध्यक्ष होंगे। राजेश गुप्ता भाजपा के संगठनात्मक जिला जम्मू के नए जिला अध्यक्ष होंगे। नंद किशोर शर्मा भाजपा के संगठनात्मक जिला जम्मू उत्तर के नए जिला अध्यक्ष होंगे। कुलदीप शर्मा भाजपा के संगठनात्मक जिले अखनूर के नए जिला अध्यक्ष होंगे।

प्रीतम शर्मा भाजपा के संगठनात्मक जिला नौशेरा के नए जिला अध्यक्ष होंगे। देव राज शर्मा भाजपा के संगठनात्मक जिला राजौरी के नए जिला अध्यक्ष होंगे गुरदीप सिंह भाजपा के संगठनात्मक जिला पुंछ के नए जिला अध्यक्ष होंगे। रोहित दुबे भाजपा के संगठनात्मक जिला रियासी के नए जिला अध्यक्ष होंगे। अरुण गुप्ता भाजपा के संगठनात्मक जिला उधमपुर के नए जिला अध्यक्ष होंगे। बाबू राम भाजपा के संगठनात्मक जिला डोडा के नए जिला अध्यक्ष होंगे। राजीव पंडिता भाजपा के संगठनात्मक जिला कश्मीर विस्थापित (केडीडी) के नए जिला अध्यक्ष होंगे।

आयुक्त जम्मू ने जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया, गुणवत्ता और स्थिरता पर जोर

जम्मू 21 जनवरी। उपायुक्त सचिन कुमार वैश्य ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया, जिसमें गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने और दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त शेर सिंह, कार्यकारी अभियंता जल शक्ति रशपाल सिंह और अन्य वरिष्ठ इंजीनियरों के साथ उपायुक्त ने जलापूर्ति योजनाओं-नारदनी, बदानी, दोमाना और मिश्रीवाला का निरीक्षण किया।

साइट विजिट के दौरान डीसी ने परियोजनाओं के विभिन्न घटकों की समीक्षा की, जिसमें नाबदान टैंक, पंप रूम और ट्यूबवेल के निर्माण कार्य शामिल हैं। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को डिजाइन में जल संचयन संरचनाओं को प्राथमिकता देने का भी निर्देश दिया, जिसका उद्देश्य नए और मौजूदा दोनों बोरवेल की स्थिरता को बढ़ाना है।

उन्होंने आगे निर्देश दिया कि नियमित गुणवत्ता जांच की जाए और फील्ड स्टाफ से मानकों से समझौता किए बिना काम की गति में तेजी लाने का आग्रह किया।

मुख्यमंत्री ने पर्यटन विभाग का कैलेंडर, ट्रैकिंग मैप जारी किया

जम्मू 21 जनवरी। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने नागरिक सचिवालय में आयोजित एक समारोह में वर्ष 2025 के लिए कैलेंडर और पर्यटन विभाग, जम्मू-कश्मीर द्वारा बनाए गए ट्रैकिंग मैप का अनावरण किया। इस लॉन्च कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सलाहकार नासिर असलम वानी, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव धीरज गुप्ता, पर्यटन आयुक्त सचिव यशा मुदगल और कश्मीर तथा जम्मू के पर्यटन निदेशक तथा अन्य संबंधित वरिश्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। इस कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025 के लिए दीवार कैलेंडर, टेबल कैलेंडर और ट्रैकिंग मैप लॉन्च किए, जिनमें जम्मू-कश्मीर की समृद्ध पर्यटन संभावनाओं पर प्रकाश डाला गया। इन कैलेंडर में क्षेत्र के मनमोहक परिदृश्य, सांस्कृतिक विरासत और पर्यटन खजाने को दर्शाया गया है। ट्रैकिंग मानचित्रों में कई प्रमुख मार्गों का विवरण दिया गया है, जिनमें कोलाहोई ग्लेशियर ट्रेक, खेव-वस्टरवान ट्रेल, गुरेज-सोनमर्ग ट्रेक, सरबल बियर वैली ट्रेक और मार्गन पास त्सोहरमर्ग ट्रेक शामिल हैं। पर्यटन विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए, मुख्यमंत्री ने जम्मू और कश्मीर को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने में ऐसी पहलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ये कैलेंडर और ट्रैकिंग मानचित्र लोगों को क्षेत्र के आश्चर्यजनक पर्यटन स्थलों और ट्रैकिंग मार्गों के बारे में आवश्यक जानकारी प्रदान करने में मूल्यवान उपकरण के रूप में काम करेंगे। यह पहल निस्संदेह हमारे राज्य की प्राकृतिक सुंदरता और साहसिक अवसरों का पता लगाने के लिए अधिक आगंतुकों को आकर्षित करने में मदद करेगी।

'जम्मू-कश्मीर में सौर, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के दोहन की अपार संभावनाएं हैं'

जयपुर 21 जनवरी। जम्मू और कश्मीर में सौर, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के दोहन की अपार संभावनाएं हैं।

यह बात एफक्षीएस और सीए, परिवहन, युवा सेवा और खेल, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, सूचना प्रौद्योगिकी, एआरआई और प्रशिक्षण मंत्री सतीश शर्मा ने राजस्थान के जयपुर में नवीकरणीय ऊर्जा पर क्षेत्रीय कार्यशाला में अपने संबोधन के दौरान कही। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद वेंकटेश जोशी, राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के संबंधित मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी इस महत्वपूर्ण कार्यशाला में मौजूद थे, जिसका उद्देश्य सहयोग को बढ़ावा देना, चुनौतियों का समाधान करना और भारत के नवीकरणीय ऊर्जा एजेंडे में अग्रिम कार्रवाई योग्य समाधान तलाशना था। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने देश भर में नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा पहलों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय मंत्रालय की अटूट प्रतिबद्धता को स्वीकार किया। जम्मू-कश्मीर में हुई प्रगति/उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर सौर, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के दोहन की अपार संभावनाओं के साथ अद्वितीय स्थिति में है। मंत्री ने कहा कि पीएम कुसुम योजना के तहत, जम्मू-कश्मीर में 5000 सौर कृषि पंप स्थापित करने का लक्ष्य था, जिसमें से अब तक 3000 पंप स्थापित किए जा चुके हैं। मंत्री ने बताया कि पीएम सूर्य घर योजना के तहत सभी सरकारी भवनों का सौरीकरण पहले ही जेकेईडीए द्वारा किया जा चुका है और दिसंबर 2025 तक, जम्मू-कश्मीर में सभी सरकारी भवनों का सौरीकरण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब तक इस योजना के तहत 37 मेगावाट हासिल किया जा चुका है।

बालों की खोई हुई खूबसूरती

वापस पाना चाहते है तो अपनाए

शहद

चेहरे के साथ-साथ बाल भी हमारी पर्सनैलिटी को बढ़ाते हैं। इसके बिना हमारी खूबसूरती अधूरी सी लगती है, लेकिन कई बार उम्र बढ़ने से पहले ही हमें झड़ते बाल, रूखे-बेजान बाल, रूसी और खुजलीज्जैसी कई समस्याएं face करनी पड़ती हैं। अगर आप इसके लिए ढेर सारे उपाय भी कर चुके हैं और कोई फायदा नहीं हुआ, तो अब आजमाएं कुछ Natural। इसमे honey important रोल प्ले कर सकता है। ये आपके बालों की खोई हुई खूबसूरती वापस ला सकता है।

1. बालों की लंबाई (Hair Growth)

शहद एक natural Antio&idant हैं। इससे scalp हेल्दी होते हैं और बालों की growth भी अच्छी होती है। इसके लिए 2 बड़े चम्मच शहद में एक चम्मच पुदीने का तेल और एक चम्मच नारियि तेल मलिाएं। इस हेयर मास्क को गीले या सूखे बालों पर लगाएं। इसे थोड़ी देर बाद पानी में सेब का सरिका मलिाकर बाल धो लें। इसके बाद कंडीशनर लगाएं।

2. बालों को Highlight करना

बनिा कसिी हार्थ केमकिल का इस्तेमाल कएि भी आप अपने घने बालों को हाइलाइट कर सकती हैं। शहद में मौजूद ग्लोकज ऑक्सीडोज इसमें Natural तरीके से मदद करता है। इससे की में स्सा साफ पानी मिलाकर कुछ देर के लिए छोड़ दें और बाद में इसे बालों पर 20 मनिट के लिए लगा कर छोड़ दें। बाद में इनहे कंडीशनर से धो लें। अगर आप Bride blond color चाहती हैं, तो इस मक्सिचर में नींबू मलिाएं। अगर Reddish Blonde चाहती हैं, तो इस मिश्रण में दालचीनी ए

शहद natural softener का भी काम करता है।

ये बालों को रुखा होने से बचाता है। High sugar content के कारण बालों को मजबूत बनाने में शहद अहम रोल अदा करता है। इसके लिए वर्जनि Olive oil में शहद मलाकर हल्का गर्म करें। इसे साफ बालों पर लगाएं। शॉवर कैप से बालों को कवर करें और 30 मनिट तक ऐसे ही छोड़ दें। ए धो लें।

4. बालों में Dandruff

शहद के anti bacterial गुणों के कारण ये ह्यष्ड्डद्यश्च को Infection और बैक्टीरया से भी बचाता है। इसका मतलब ये है द्धक इसके इस्तेमाल से डैंड्रफ या खुजली आदकी परेशानी से भी नजिात मलिती है। इसके लिए शहद को पानी में मलिाकर scalp पर लगाएं। 2-3 घंटे बालों को ऐसे ही रहने दें। इसके बाद बाल धो लें। अगर बालों में चपिचपिहाट रहे, तो सेब के सरिके में पानी मलिाकर बाल धोएं।

5. बालों में Shine

शहद आपके बालों को चमकदार बनाने में भी मदद करता है। अगर बाल dull, रुखे-सूखे और बेजान हैं, तो आप Honey पैक का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसके लिए पांच बड़े चम्मच शहद में दो कप पानी मलिाएं और साफ धुले हुए बालों पर इस मश्रिण को लगाएं। शॉवर कप लगाएं और 30 मनिट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद बाल धो लें। आपको फर्क नजर आएगा।

सुंदरता

का बहुत बड़ा राज छुपा है इन ब्यूटी फूड्स में..

हर कोई चाहता है की वो सुन्दर और खूबसूरत दिखे। इसके लिए वे कई तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए आज हम आपको ब्यूटी प्रोडक्ट्स नही बल्कि ऐसे ब्यूटी फूड्स क बारे में बता रहे हैं जिन्हे रोजाना खाने से आप पा सकती हैं बेहद खूबसूरत और आकर्षक त्वचा।

आइए जाने किस फ़ूड में छुपा है सुंदरता का राज:

सेब

सेब हेल्थ के साथ सुंदरता के लिए बहुत लाभकारी है यह एक एंटीऑक्सीडेंट है जिसके सेवन से धूप से त्वचा का बचाव होता है और स्किन कैंसर के खतरे को भी रोकता है।

डार्क चॉकलेट

डार्क चॉकलेट, ग्रीन टी और रेड वाइन में एंटी ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है। जिससे चेहरे पर अच्छा निखार आता है। इससे त्वचा में नमी आती है और धूप से झुलसी त्वचा को भी साफ़ करता है।

शकरकंद खाएं

शकरकंद में विटामिन ए पाया जाता है। यह एक एंटी रिंकल एजेंट है। इससे त्वचा कोमल बनती है।

दही का सेवन करे

रोजाना दही खाएं इससे त्वचा के दाग-धब्बे व झांइया दूर होती है। दही में जिंक और कैल्शियम पाया जाता है जिसके सेवन से सेहत अच्छी होती है साथ ही खूबसूरत त्वचा बनती है।

ब्रोकली खाएं

इसमें एक ऐसा एसिड पाया जाता है जो पैरों को मुलायम बनाने के साथ खूबसूरत बनता है।

लंबे व मजबूत नाखून पाना चाहते है तो अपनाएं ये चीजें

आजकल हर महिला चाहती है कि उसके नाखून तेजी से बढ़ें और दूखने में खूबसूरत लगें। लंबे नाखूनों नेलपॉलिश बहुत अच्छी लगती है और दिखने में भी वह बहुत खूबसूरत लगते है। लंबे नाखून हाथ की खूबसूरती भी बढ़ा देते है। ऐसे नाखूनों पर नेल आर्ट करना बहुत ही आसान होता है। मगर कई लड़कियों की समस्या होती है कि उनके नाखून अच्छी तरह से बढ नहीं पाते या फिर अगर बढ़ते भी हैं तो वह जल्द टूट जाते हैं। यह समस्या आपके आहार में ढेर सारे पोषक तत्व न शामिल होने के कारण होते है। आज हम आपको मजबूत और लंबे नाखून पाने के घरेलू उपचार बताएंगे।

1. लहसुन लहसुन को दो टुकड़ों में काट कर अपने नाखूनों पर 10 मिनट तक रगड़ें। इससे आपके नाखून 10 दिनों में अच्छे खासे बढ़ जाएंगे। पर इस प्रक्रिया आपको रोजाना सुबह और शाम करनी पड़ेगी।

2. संतरे का रस अंडे के सफेद भाग को एक कटोरी में निकाले और उसमें 2 चम्मच संतरे का रस निचोड़ें। इस घोल को अपने नाखूनों पर 5 मिनट तक लगा कर रखें। इसमें विटामिन सी होता है जो कोलाजिन का प्रोडक्शन करता है जिससे नाखूनों में मजबूती आती है।

3. जैतून तेल अपने नाखूनों पर जैतून का तेल लगा कर मालिश करें। इसमें विटामिन ई होता है जो नाखूनों को पोषण प्रदान करता है और खून का फ्लो नाखूनों तक बढाता है जिससे नाखून बढ़ना शुरु हो जाते हैं।

4. टमाटर नाखूनों पर टमाटर की स्लाइस को 10 मिनट तक रगड़ें। इससे नाखून जल्द बढ़ेंगे।

5. अलसी का तेल एक मुलायम ब्रश की मदद से अपने नाखूनों पर अलसी का तेल लगाएं। 5 मिनट तक इस तेल को लगाए रखें। इसेस आपके नाखूनों को प्रोटीन, विटामिन ई और ओमेगा 3 मिलेगा जिससे नाखूनों में मजबूती आएगी।

6. नारियल का तेल नारियल तेल में फैटी एसिड तथा अन्य पोषण पाए जाते हैं, जिसे नाखूनों पर लगाने से फायदा होता है।

7. एप्पल साइडर वेनिगर 1 चम्मच घिसा लहसुन लें और उसमें 1 चम्मच एप्पल साइडर वेनिगर मिलाएं। इसे अपने नाखूनों पर लगाएं और 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें।

झुर्रियों से यूं बचाएं अपने Soft hands

चेहरे के मुकाबले हमारे हाथों पर झुर्रियां जल्दी आ जाती हैं। यह बात तो आपने भी नोटिस की होगी। इसका कारण यह है कि हम लोग अपने चेहरे की तो केयर करते हैं लेकिन हाथों और पैरों के मामले में अनदेखी बरतते हैं, जिसकी वजह से हाथों पर उम्र से पहले ही झुर्रियां नजर आने लगती हैं। हाथों को, बल्कि शरीर के सभी हिस्सों को चेहरे जैसी ही देख-रेख की जरूरत होती है। आज हम आपको बताएंगे कि आप किस तरह उम्र से पहले ही पड़ने वाली झुर्रियों से हाथों को बचा सकते हो। इन आसान तरीकों को अपनाने से आपके हाथ मुलायम रहेंगे।

-सख्त साबुन

हम दिन में बहुत बार हाथ धोते हैं लेकिन हाथों को धोने के लिए बार-बार हार्ड साबुन का इस्तेमाल न करें जबकि इसके उल्ट लोग सारा दिन साबुन से ही हाथ घिसते हैं। यह हमारे हाथों की त्वचा को सख्त और बेजान बना देता है। हाथ रूखे-सुखे लगने लगते हैं इसलिए जितना ज्यादा हो सके सख्त और ज्यादा खूशबू वाले साबुन से बचें क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है।

-डिटर्जेंट

आप घर पर कपड़े तो धोते ही होंगे तो क्या हाथों को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ खास तरीकों को इस्तेमाल करती है? डिटर्जेंट में बहुत तेज कैमीकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप की स्किन सेंसटिव है तो यह आपकी त्वचा को जख्म भी दे सकता है इसलिए कपड़े धोने से पहले हाथों में दस्ताने जरूर पहन लें। इससे न तो आपके हाथ फटेंगे और न ही यह अपनी नमी खोएंगे।

-हैंड सेनिटाइजर

बदलते जमाने के साथ साथ आजकल लोग हैंड सैनिटाइजर का इस्तेमाल ज्यादा करने लगे हैं। हाथ सेनिटाइजर से धोना अच्छी बात है लेकिन अगर वह बढ़िया क्वालिटी का हो तो नहीं तो यह आपके हाथों की त्वचा को खराब कर सकते हैं।

-मोएस्चराइजर क्रीम साबुन से हाथ धोने के बाद अक्सर लोग मोएस्चराइजर क्रीम का इस्तेमाल करना भूल जाते हैं लेकिन मोएस्चराइजर का इस्तेमाल न करने से हाथ सख्त से हो जाते हैं। आप जितनी बार हाथ धोते हैं, उतनी बार मोएस्चराइजर लगाएं ताकि हाथ मुलायम रहें।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जम्मू-कश्मीर राजभवन ने त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर का स्थापना दिवस मनाया

जम्मू 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर राजभवन में मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को समर्पित सांस्कृतिक कार्यक्रम में जम्मू-कश्मीर में रहने वाले छात्र, सुरक्षाकर्मी और त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर के लोग विशेष रूप से आमंत्रित थे।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अपने संबोधन में त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने तीनों राज्यों की महान हस्तियों को श्रद्धांजलि दी और राष्ट्र निर्माण में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया।

उपराज्यपाल ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों की सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन यात्रा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि तीव्र और समावेशी विकास ने पूर्वोत्तर के लोगों की आकांक्षाओं को राष्ट्र की आकांक्षाओं से जोड़ा है। उपराज्यपाल ने कहा त्रिपुरा, मेघालय और मणिपुर भारत की समृद्ध परंपराओं, संस्कृति, लोक कला और शिल्प के खजाने हैं। मैं बहुत गर्व के साथ कह सकता हूं कि आज पूर्वोत्तर राज्य देश के विकास इंजन के रूप में उभरे हैं और अपने आध्यात्मिक आदर्शों और सांस्कृतिक मूल्यों के माध्यम से पूरे समाज को प्रेरित कर रहे हैं। ये राज्य विकास, प्रगति और विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करना जारी रखें।

जेयू में स्कूल इंटर्नशिप, शोध प्रबंध और परियोजना कार्य पर व्याख्यान

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू विश्वविद्यालय के दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षा केंद्र (सी.डी.ओ.ई.) ने मंगलवार को स्कूल इंटर्नशिप, शोध प्रबंध और परियोजना कार्य विषय पर एक ज्ञानवर्धक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। यह कार्यक्रम सी.डी.ओ.ई. के समिति कक्ष में आयोजित किया गया था और इसमें शिक्षा संकाय की पूर्व विभागाध्यक्ष और डीन, प्रमुख शिक्षाविद् प्रो. रेणु नंदा, संसाधन व्यक्ति के रूप में शामिल थीं। कार्यक्रम की शुरुआत एम.ए. शिक्षा कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अनुराधा गोस्वामी के स्वागत भाषण से हुई जिन्होंने प्रो. रेणु नंदा का परिचय कराया। यह सत्र एम.ए. शिक्षा के छात्रों को प्रभावी परियोजना कार्य करने, व्यापक शोध प्रस्ताव विकसित करने और उपयुक्त शोध उपकरण बनाने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया था।

प्रो. नंदा ने सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक शिक्षण अनुभवों के साथ जोड़ने में स्कूल इंटर्नशिप की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने शोध लेखन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि साझा की और अकादमिक प्रयासों के लिए एक ठोस आधार स्थापित करने में इसके महत्व पर प्रकाश डाला। छात्रों को प्रासंगिक विषयों का चयन करने, स्पष्ट उद्देश्य निर्धारित करने और उपयुक्त पद्धतियों का उपयोग करने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया।

जीडीसी बसोहली द्वारा नीट जेईई आदि सामान्य प्रवेश परीक्षाओं के लिए मॉक टेस्ट आयोजित

कटुआ 21 जनवरी (हि.स.)। सरकारी डिग्री कॉलेज बसोहली ने जिला कटुआ के विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए ओएमआर आधारित मॉक टेस्ट का सफलतापूर्वक आयोजन किया।

इस तरह की प्रवेश परीक्षा आयोजित करने का मुख्य उद्देश्य दूरदराज के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को विभिन्न व्यावसायिक परीक्षाओं जैसे नीट, जेईई, नर्सिंग आदि की सामान्य प्रवेश परीक्षाओं के बारे में जागरूक करना था। यह कार्यक्रम जीडीसी बसोहली द्वारा प्रिंसिपल डॉ. सुनील गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया था, जिन्होंने इस कॉलेज में प्रिंसिपल के रूप में शामिल होने से पहले जेएंडके बीओपीईई के परीक्षा नियंत्रक के रूप में विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में ऐसी प्रवेश परीक्षा आयोजित करने के अपने विशाल अनुभव का उपयोग किया था।

इस कॉलेज के प्रिंसिपल ने इस अभ्यास को एक बड़ी सफलता बनाने में उनके अनुकरणीय सहयोग के लिए मुख्य शिक्षा अधिकारी कटुआ और विभिन्न माध्यमिक विद्यालयों के प्रिंसिपलों को धन्यवाद दिया। यहां यह उल्लेख करना उचित है कि यह पहल पूरे जम्मू प्रांत में किसी भी कॉलेज द्वारा की गई अपनी तरह की पहली पहल थी और पूरी तरह से नि:शुल्क थी।

विद्यार्थियों ने बहुत उत्साह से भाग लिया और दूरदराज के क्षेत्रों से गरीब छात्रों के लिए इस तरह के आयोजनों की शुरुआत करने के लिए कॉलेज प्रशासन को धन्यवाद दिया। वे संतुष्ट थे और अधिकारियों से निकट भविष्य में भी इस तरह के आयोजन करने का अनुरोध किया।

जेकेपीसीसी ने वरिष्ठ भाजपा नेता शमशेर सिंह के निधन पर शोक व्यक्त किया

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) ने वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व राज्यसभा सदस्य शमशेर सिंह के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक हमीद कर्रा ने सिंह को एक सज्जन और दयालु इंसान बताया जिन्होंने अपना राजनीतिक जीवन जम्मू के लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। कर्रा ने क्षेत्र के आम लोगों के सामने आने वाले वास्तविक मुद्दों को उठाने में सिंह के निरंतर प्रयासों की सराहना की।

शोक संतप्त परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए कर्रा ने दिवंगत आत्मा की शांति और परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति के लिए प्रार्थना की।

गाय माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिलाने के लिए आंदोलन 93वें दिन में प्रवेश

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। मूवमेंट कल्कि द्वारा गाय माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा दिलाने, गौशालाओं के निर्माण, गौ रक्षा के लिए सख्त कानून बनाने और सनातन बोर्ड की स्थापना की मांग को लेकर चलाया जा रहा आंदोलन आज 93वें दिन में प्रवेश कर गया। यह आंदोलन धीरे-धीरे देशव्यापी रूप ले रहा है और आम जनता के बीच अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है।

प्रयागराज महाकुंभ से लौटे मूवमेंट कल्कि के सदस्यों ने बताया कि साधु-संत समाज ने इस आंदोलन को भरपूर समर्थन दिया है। महाकुंभ में गाय माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा देने की मांग चर्चा का मुख्य विषय रही। साधु-संतों के समर्थन ने आंदोलन को नई ऊर्जा प्रदान की है। मूवमेंट कल्कि के प्रमुख सदस्यों की एक विशेष बैठक आयोजित की गई, जिसमें आंदोलन को और प्रभावी बनाने और इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रचारित करने पर चर्चा हुई। बैठक में निर्णय लिया गया कि जागरूकता अभियान, रैलियां और धार्मिक सभाओं के माध्यम से आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। साथ ही, केंद्र और राज्य सरकारों से संवाद स्थापित कर इस मुद्दे पर कार्रवाई की मांग की जाएगी।

सदस्यों ने कहा कि यह आंदोलन सनातन धर्म और भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए एक ऐतिहासिक कदम है। वे तब तक संघर्ष जारी रखेंगे जब तक गाय माता को 'राष्ट्र माता' का दर्जा नहीं मिल जाता।

एनएमसी ने चिकित्सा भत्ता बढ़ाने और लंबित डीए जारी करने की मांग की

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। नेशनल मजदूर कान्फ्रेंस (एनएमसी) के अध्यक्ष सुभाष शास्त्री ने आज मुख्यमंत्री से जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में पेंशनभोगियों का चिकित्सा भत्ता 300 रुपये से बढ़ाकर 1000 रुपये प्रतिमाह करने की अपील की। उन्होंने बताया कि केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख पहले ही 1 अप्रैल 2020 से अपने पेंशनभोगियों को 1000 रुपये प्रतिमाह चिकित्सा भत्ता प्रदान कर रहा है।

एनएमसी कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए शास्त्री ने कहा कि जेके यूटी में पिछले दो दशकों से चिकित्सा भत्ता केवल 300 रुपये प्रतिमाह दिया जा रहा है, जबकि चिकित्सा खर्चों में भारी वृद्धि हो चुकी है। उन्होंने चिकित्सा भत्ता केंद्र सरकार के मानदंडों के अनुसार बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि पेंशनभोगियों को राहत मिल सके। उन्होंने केंद्र सरकार से जनवरी 2020 से जून 2021 तक के लंबित डीए/डीआर की तीन किस्तों को तुरंत जारी करने की अपील की। शास्त्री ने कहा कि मूल्य सूचकांक और मुद्रास्फीति के बढ़ने से वेतनभोगी वर्ग और पेंशनभोगियों को जीवनयापन में कठिनाई हो रही है, और यह वित्तीय सहायता तुरंत प्रदान की जानी चाहिए।

नेकां नेता ने ई-रिक्शा किराया दरों में संशोधन की मांग की

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के वरिष्ठ नेता और चेनाब घाटी के प्रवक्ता अजीत भगत ने ई-रिक्शा ऑटो के लिए मौजूदा किराया दर 10 रुपये प्रति किलोमीटर पर चिंता जताई है और इसे ऑपरेटरों की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुचित और अपर्याप्त बताया है। भगत ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कई ई-रिक्शा ऑटो मालिकों ने अपने वाहन खरीदने के लिए बैंकों से ऋण लिया है। मौजूदा किराया संरचना के साथ उन्हें समय पर ऋण चुकाने और अपने परिवारों का भरण-पोषण करने में महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

भगत ने कहा ये ई-रिक्शा ऑटो मालिक शिक्षित व्यक्ति हैं जो अपनी आजीविका के लिए पूरी तरह से इस सेवा पर निर्भर हैं। इतनी कम दरों पर, उनके लिए वित्तीय स्थिरता हासिल करना मुश्किल हो जाता है।

उधमपुर पुलिस द्वारा नए आपराधिक कानूनों पर जीडीसी उधमपुर में जागरूकता कार्यक्रम

उधमपुर 21 जनवरी (हि.स.)। उधमपुर पुलिस ने नए शुरू किए गए आपराधिक कानूनों पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक दोहरी जागरूकता पहल का आयोजन किया जिसमें सरकारी डिग्री कॉलेज उधमपुर और जिला पुलिस लाइन्स डीपीएल उधमपुर में सत्र आयोजित किए गए।

जीडीसी में विभिन्न विषयों के छात्रों ने डीएसपी मुख्यालय उधमपुर श्री प्रहलाद शर्मा द्वारा आयोजित एक सूचनात्मक सत्र में भाग लिया। सत्र में भारतीय संसद द्वारा अधिनियमित तीन नए आपराधिक कानूनों की प्रमुख विशेषताओं और निहितार्थों पर ध्यान केंद्रित किया गया। छात्रों ने विचार.विमर्श में भाग लिया जिसमें पता लगाया गया कि ये कानून आपराधिक न्याय प्रणाली को कैसे मजबूत करेंगे और इसकी प्रभावकारिता को बढ़ाएंगे।

इसी तरह जिला पुलिस लाइन्स उधमपुर में पुलिस कर्मियों के लिए एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। सत्र का उद्देश्य अधिकारियों को कानून प्रवर्तन में उनके प्रभावी अनुप्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए नए कानूनों की विस्तृत समझ से लैस करना था। प्रशिक्षण में कानूनों को लागू करने के व्यावहारिक पहलुओं और पुलिसिंग प्रक्रिया पर उनके संभावित प्रभाव को शामिल किया गया।

ये पहल उधमपुर पुलिस द्वारा जागरूकता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का हिस्सा थे कि जनता और कानून लागू करने वाली एजेंसियां नए आपराधिक कानूनों द्वारा लाए गए बदलावों से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

पाडुर, एओआई गंग्याल से प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से भेंट की

जम्मू 21 जनवरी (हि.स.)। जिला विकास परिषद किश्तवाड़ की अध्यक्षा पूजा ठाकुर के नेतृत्व में पाडुर से आए प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से भेंट की।

बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को पडुर-नागसेनी के निवासियों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और तत्काल समाधान की मांग की। प्रस्तुत की गई प्रमुख मांगों में सड़क संपर्क में सुधार, बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याओं का समाधान, स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि और क्षेत्र में लंबित विकास परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करना शामिल था।

उपमुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यान से सुनी और उन्हें शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। उन्होंने कई प्रमुख मुद्दों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित विभागों को मौके पर ही निर्देश जारी किए।

बाद में एसोसिएशन ऑफ इंडस्ट्रीज गंग्याल, जम्मू के एक प्रतिनिधिमंडल ने वीरेंद्र जैन, अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री से भेंट की।

प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को विशेष रूप से जम्मू और सामान्य रूप से जम्मू-कश्मीर में सूक्ष्म/लघु औद्योगिक क्षेत्र की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया।

सकीना इत्तू ने जीएमसी कटुआ का दौरा किया

कटुआ 21 जनवरी (हि.स.)। स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू ने सरकारी मेडिकल कॉलेज कटुआ का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बैचलर्स ऑफ होम्योपैथिक मेडिसिन एंड सर्जरी के छात्रों के पहले बैच के प्रवेश समारोह की अध्यक्षता की।

इस अवसर पर कटुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण, प्रिंसिपल सरकारी मेडिकल कॉलेज कटुआ डॉ. सुरिंदर के. अत्री, रजिस्ट्रार जेएंडके होम्योपैथी बोर्ड और नोडल अधिकारी सरकारी होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज कटुआ डॉ. बी.आर. डब, विभिन्न विशेषज्ञताओं के प्रमुख, चिकित्सा पेशेवर, वरिष्ठ अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर एक बड़ी सभा को संबोधित करते हुए सकीना इत्तू ने बीएचएमएस के 63 छात्रों के पहले बैच और वहां मौजूद उनके अभिभावकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह संस्थान स्थानीय आबादी की सेवा करने के लिए सक्षम चिकित्सा संकायों का निर्माण करने में और जम्मू-कश्मीर में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने में मदद करेगा। मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह उत्तर भारत का पहला सरकारी होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज है। डॉक्टरों का पेशा एक महान पेशा है क्योंकि इसका उद्देश्य बीमार लोगों की सेवा करना है। इस अवसर पर बोलते हुए कटुआ के विधायक डॉ. भारत भूषण ने कटुआ में होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज की स्थापना के लिए कड़ी मेहनत करने वाले छात्रों और एजेंसियों को बधाई दी। राजकीय महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. सुरिंदर के. अत्री ने अपने स्वागत भाषण में कटुआ में राजकीय होम्योपैथी मेडिकल कॉलेज शुरू करने के लिए मंत्री के पूरे दिल से किए गए प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया।

मृदा नमूनाकरण तकनीक पर कार्यशाला आयोजित की

रामनगर 21 जनवरी (हि.स.)। रामनगर के अधिकांश लोगों का व्यवसाय कृषि है, जिसके चलते छात्रों को मिट्टी की पोषक तत्वों की मात्रा और मृदा परीक्षण विधियों के व्यावहारिक ज्ञान से परिचित कराने के लिए विशेष शीतकालीन शिविर के दूसरे दिन 'अपनी मिट्टी को जानें' नामक गतिविधि का आयोजन किया गया। सत्र एक में जम्मू-कश्मीर कृषि निदेशालय द्वारा मृदा नमूनाकरण और मृदा परीक्षण तकनीकों पर एक वृत्तचित्र स्वयंसेवकों को दिखाया गया। इसके बाद प्रोफेसर रितिका महाजन एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और एचओडी रसायन विज्ञान ने मिट्टी के पोषक तत्वों और मिट्टी के उचित स्वास्थ्य की आवश्यकता पर व्याख्यान दिया ताकि भूमि की उत्पादकता बढ़ाई जा सके और किसानों की वित्तीय स्थिति को बेहतर बनाया जा सके। इसी प्रकार सत्र 2 में स्वयंसेवकों ने गोद लिए गए गांव थापलाल के विभिन्न खेतों का दौरा किया और विभिन्न स्थलों से मिट्टी के नमूने लिए।

जन मुद्दों का अंबार वादे पूरे करें उमर सरकार : शिवसेना

जम्मू 21 जनवरी (हि.स.)। शिवसेना जम्मू-कश्मीर ईकाई ने हालही में सम्पन्न कैबिनेट बैठक में जन मुद्दों व वादों को पूरा करने को लेकर कोई चर्चा व फैसला नहीं होने पर निराशा जताई है। इसके साथ ही राज्य दर्जा बहाली की मांग को लेकर केंद्र सरकार पर दबाव बनाने तथा जम्मू को प्रदेश की स्थाई राजधानी घोषित करने की मांग की है। पार्टी प्रदेश मध्यवर्ती कार्यालय में मंगलवार को आयोजित एक पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष मनीष साहनी ने उमर सरकार पर वादा खिलाफी का आरोप लगाते हुए कहा कि 20 जनवरी को हुई केबिनेट बैठक में डेलीवेजरों को पक्का करने, न्यूनतम वेतन लागू करने तथा 200 युनिट नि:शुल्क बिजली, स्वच्छ पेयजल आदि अपने वादों को पूरा करने को लेकर कोई चर्चा व फैसला नहीं लिया गया।

रचनात्मक दीवार पेंटिंग के साथ मानसर झील को सुंदर बनाया

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय (एसएमवीडीयू) की एनएसएस इकाई के स्वयंसेवकों ने सुंदर मानसर झील पर एक जीवंत दीवार पेंटिंग कार्यक्रम आयोजित किया। एनएसएस इकाई के 7 दिवसीय विशेष शिविर का हिस्सा इस गतिविधि में 35 स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया जिन्होंने झील क्षेत्र को बदलने के लिए दो दिनों तक अथक परिश्रम किया। इस अभियान में मछलियों, कछुओं और अन्य जलीय जीवों की आकर्षक झील-थीम वाली कलाकृति के साथ दीवारों को रंगना शामिल था। साथ ही झील की सुंदरता का जश्न मनाते हुए काव्यात्मक वाक्य भी थे। स्वयंसेवकों ने लोकप्रिय पर्यटन स्थल के आकर्षण को बढ़ाते हुए रंगीन रंगोली डिजाइनों के साथ रास्तों को भी सजाया। एनएसएस छात्र समन्वयक साध्वी शर्मा और अभिषेक शर्मा ने इस पहल का नेतृत्व किया जिसमें प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए एनएसएस कार्यक्रम समन्वयक डॉ. राजीव कुमार मौजूद थे। झील पर आने वाले पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने स्वयंसेवकों के रचनात्मक प्रयासों और समर्पण के लिए अपनी प्रशंसा व्यक्त की। इस पहल ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को उजागर किया बल्कि पर्यावरण जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ावा दिया। दो दिनों में 8 घंटे से अधिक समय तक चली यह गतिविधि छात्रों की सार्वजनिक स्थानों को सुंदर बनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

केशव चोपड़ा ने आधार नामांकन शिविर का आयोजन किया

जम्मू 21 जनवरी (हि.स.)। संवेदना सोसाइटी के चेयरमैन केशव चोपड़ा ने मंगलवार को जेके मोंटेसरी स्कूल तालाब तिल्लो में दो दिवसीय आधार नामांकन शिविर का आयोजन किया।

इस आधार शिविर के माध्यम से संवेदना सोसाइटी ने नए नामांकन, बच्चों का बायोमेट्रिक अपडेशन, सुधार, मोबाइल नंबर अपडेशन, फोटोग्राफ परिवर्तन आदि जैसी सेवाएं प्रदान कीं। यह शिविर आधार सेवा केंद्र जम्मू के सहयोग से आयोजित किया गया।

केशव चोपड़ा ने कहा कि संवेदना सोसाइटी का उद्देश्य जरूरतमंद वर्गों और विशेष रूप से विभिन्न स्कूलों के बच्चों को आधार कार्ड से संबंधित सेवाएं उनके घर तक पहुंचाना है ताकि उन्हें इस ठंड में बाहर न जाना पड़े। भविष्य में संवेदना टीम अन्य स्कूलों को भी कवर करेगी और इन शिविरों का आयोजन करेगी ताकि अधिक से अधिक बच्चे इसका लाभ उठा सकें।

सार्वजनिक सूचना

मैं, सेवा क्रमांक 190073181, रैंक एन के नाम कर्मवीर सिंह पुत्र गुरशरण सिंह, वर्तमान में वी पीओ-खिजराबाद, तह-खरार, जिला-सास नगर, पंजाब-140109 में रहता हूं, और वर्तमान में यूनिट 7 सिख रेजिमेंट 274/टी कैंप, खानपुर सी/ओ 56 एपीओ, नई दिल्ली-1410062 में सेवारत हूं, मेरी मां का नाम जो मेरे सेवा रिकॉर्ड में बलजित कौर (सही नाम) के बजाय बलजीत कौर के रूप में दर्ज किया गया है, के सुधार के लिए आवेदन कर रहा हूं। यदि कोई आपत्ति है, तो उसे 7 दिनों के भीतर संबंधित अधिकारियों को अवगत कराया जा सकता है।

एपीएस दमाना ने सम्मान समारोह आयोजित किया

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। आर्मी पब्लिक स्कूल दमाना ने अपने छात्रों और शिक्षकों की उत्कृष्ट उपलब्धियों को मान्यता देने के लिए एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कमांडर चिनाब ब्रिगेड, चेयरमैन एपीएस दमाना, लेफ्टिनेंट कर्नल आरएस सलाथिया, एसओ स्कूल, पुष्पिंदर कौर, प्रिंसिपल, शालू कपूर, वाइस प्रिंसिपल, कमांडिंग ऑफिसर और बड़ी संख्या में अभिभावकों सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

समारोह की शुरुआत औपचारिक दीप प्रज्वलन के साथ हुई जिसके बाद भगवान विनायक का जीवंत आह्वान किया गया। कक्षा 10वीं और 12वीं(2023-24) के शैक्षणिक टॉपरों को नकद प्रोत्साहन और ट्रॉफी से सम्मानित किया गया जबकि खेल उपलब्धि हासिल करने वालों और अंतर-विद्यालय प्रतियोगिताओं के विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र दिए गए।

कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सनी कुमार, टीजीटी संगीत और स्कूल के युवा कलाकारों द्वारा प्रस्तुत मनमोहक प्रदर्शन सिम्फोनिक स्पेक्ट्रम था जिसे सभी उपस्थित लोगों ने सराहा। असाधारण बोर्ड परिणाम प्राप्त करने और समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए उनके प्रयासों के लिए संकाय सदस्यों को भी नकद प्रोत्साहन और प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। उल्लेखनीय रूप से सुकृति गिरी, टीजीटी कंप्यूटर साइंस को शिक्षा में उनके अनुकरणीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ कमेंडेशन कार्ड से सम्मानित किया गया।

हाउस इंचार्ज ज्योति रैना और हाउस कैप्टन वंशिका शर्मा के नेतृत्व में डॉ. हरगोबिंद खुराना हाउस को चैंपियन हाउस ऑफ द ईयर नामित किया गया। मुख्य अतिथि ने छात्रों और संकाय के प्रयासों की सराहना की, छात्रों से जोश के साथ अपने जुनून को आगे बढ़ाने का आग्रह किया और माता-पिता को अटूट समर्थन प्रदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रिंसिपल पुष्पिंदर कौर ने छात्रों को ईमानदारी, नवाचार और समावेशिता के साथ अपनी यात्रा जारी रखने के लिए प्रेरित किया। वहीं समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

विधायक ने जम्मू में पीओजेके 2025 कैलेंडर जारी किया

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। जम्मू पश्चिम के विधायक अरविंद गुप्ता ने मंगलवार को पीओजेके विस्थापित सेवा समिति की जम्मू जिला शाखा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में पीओजेके 2025 कैलेंडर का अनावरण किया। कैलेंडर में 1947, 1962 और 1965 के दौरान पीओजेके विस्थापित व्यक्तियों (डीपी) के विस्थापन को दर्शाती ऐतिहासिक तस्वीरें हैं। साथ ही लद्दाख के पाकिस्तान-अधिकृत और चीन-अधिकृत क्षेत्रों के दृश्य भी हैं।

गुप्ता ने विस्थापित समुदायों की कहानियों को संरक्षित करने में समिति के प्रयासों की सराहना की और भावी पीढ़ियों को उनके संघर्षों और बलिदानों के बारे में शिक्षित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने पीओजेके, पीओटीएल और सीओटीएल को पुनः प्राप्त करने और विस्थापितों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

नशीली दवाओं के दुरुपयोग, धर्म परिवर्तन पर जताई चिंता

जम्मू, 21 जनवरी (हि.स.)। शिवसेना हिंदुस्तान जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी ने मंगलवार को नौशेरा में एक बैठक की अध्यक्षता की जिसमें नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने और धर्म परिवर्तन के बारे में चिंताओं को संबोधित करने पर ध्यान केंद्रित किया। संगठन के सक्रिय रुख पर प्रकाश डालते हुए केसरी ने जागरूकता बढ़ाने, नशे की लत से उबरने में सहायता करने और एक स्वस्थ समुदाय बनाने के लिए नशा मुक्त भारत अभियान जैसी पहलों के महत्व पर जोर दिया।

केसरी ने जम्मू-कश्मीर में नशीली दवाओं की तस्करी के प्रति शून्य सहिष्णुता की आवश्यकता पर

जोर दिया और इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। उन्होंने स्कूलों और कॉलेजों के पास पान की दुकानों को हटाने का आह्वान किया जिन्हें उन्होंने समस्या में योगदान देने वाला बताया। केसरी ने कहा कि हेरोइन इस क्षेत्र में सबसे अधिक दुरुपयोग किया जाने वाला पदार्थ है और प्रभावी पुनर्वास सुविधाओं की कमी ने स्थिति को और खराब कर दिया है। जबकि सरकार के प्रयास जैसे कि नशा मुक्ति केंद्र और एनएमबीए के तहत पुनर्वास कार्यक्रम लागू हैं। केसरी ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग के मूल कारणों को संबोधित करने के लिए अधिक व्यापक दृष्टिकोण का आग्रह किया।

धर्म परिवर्तन के मुद्दे पर केसरी ने अंतरधार्मिक संवाद और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए शिवसेना हिंदुस्तान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। स्थानीय समुदायों और नेताओं के साथ जुड़कर संगठन का उद्देश्य एकता को बढ़ावा देते हुए सम्मानपूर्वक चिंताओं को संबोधित करना है।

संपादकीय

गैर जिम्मेदार सोशल मीडिया शेयरिंग पर अंकुश हो

यह देखा गया है कि कई लोग सोशल मीडिया साइट्स पर जानकारी को बहुत जल्दबाजी में शेयर करने की इच्छा रखते हैं और वे इसकी सत्यता की पुष्टि भी नहीं करते या इस व्यवहार के परिणामों के बारे में नहीं सोचते।

इस कठोर तथ्य को ध्यान में रखना आवश्यक है कि सत्यता की जांच किए बिना सोशल मीडिया पर सामग्री डालना खतरनाक साबित हो सकता है क्योंकि यह अफवाह फैलाने से कम नहीं है। असत्यापित सामग्री शेयरिंग से उलझन, गलतफहमी और भ्रामक जानकारी के प्रसार का स्तर बढ़ सकता है। यह ऐसे समय में विशेष रूप से महत्वपूर्ण है जब सोशल मीडिया कई लोगों के लिए समाचार और संचार का एक प्रमुख स्रोत है।

सोशल मीडिया पर नवीनतम समाचार और घटनाओं को साझा करने का श्रेय पाने की इच्छा अक्सर अप्रिय स्थितियों को जन्म देती है और कुछ मामलों में चीजें हाथ से निकल जाती हैं जिससे खतरनाक परिणाम सामने आते हैं। जहाँ तक सोशल मीडिया पर समाचार साझा करने की बात है, लोगों को पहले किसी सरकारी एजेंसी या किसी वास्तविक समाचार स्रोत जैसे कि समाचार पत्र, प्रामाणिक समाचार पोर्टल आदि से इसकी पुष्टि कर लेनी चाहिए, क्योंकि अपुष्ट समाचार साझा करना कई मायनों में हानिकारक साबित हो सकता है, खासकर जब सामग्री संवेदनशील हो।

कुल मिलाकर, साझा करने से पहले सामग्री की पुष्टि करने से विश्वसनीयता बनाए रखने और यह सुनिश्चित करने में मदद मिलती है कि जो संप्रेषित किया जा रहा है वह सटीक है। यह अफ़वाहों और अपुष्ट दावों के प्रसार को रोककर ऑनलाइन संवाद के समग्र स्वास्थ्य में भी योगदान देता है।

इस संदर्भ में, उत्तरी कश्मीर के सोपोर उप-जिले में दो दिनों तक चले आतंकवाद विरोधी अभियान के समाप्त होने के बाद, जम्मू-कश्मीर पुलिस ने उस अभियान से संबंधित संवेदनशील जानकारी के प्रसार के खिलाफ़ एक सख्त सलाह जारी की है जिसमें सेना का एक जवान शहीद हुआ था।

लोगों को यह ध्यान रखना चाहिए कि इस तरह के अभियानों के बारे में संवेदनशील विवरण गैर-जिम्मेदाराना तरीके से साझा करने से हमेशा राज्य की सुरक्षा को खतरा होता है, जो किसी भी परिस्थिति में नहीं होना चाहिए। सोशल मीडिया पर सबसे पहले सामग्री साझा करने की लालसा को देश की सुरक्षा या हितों को खतरे में डालने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

आतंकवादियों के खिलाफ उपरोक्त अभियान में, यह बताया गया कि कुछ व्यक्तियों ने इस तरह की सक्रियता के परिणामों पर विचार किए बिना संवेदनशील विवरण प्रसारित/साझा किए हैं।

इसलिए यह आवश्यक है कि लोग राज्य की सुरक्षा से समझौता करने वाली ऐसी गैर-जिम्मेदाराना हरकतों से बचें।

डॉक्टर-कंपनियों का कपट जाल - दवा की कीमत में उछाल

-प्रियंका सौरभ

देश में दवाओं की कीमत सरकार नहीं डॉक्टर खुद तय कर रहे हैं। डॉक्टर अपने मुताबिक ब्रांड बनवाते हैं, कीमतें फिक्स करते हैं। 38 रुपए की दवा की एमआरपी 1200 रुपए कर दी जा रही है। यह महज उदाहरण है, तमाम दवाइयों में ऐसा किया जा रहा है। एक्सपर्ट मानते हैं कि 20 साल में 40 हजार करोड़ से दवा का कारोबार 2 लाख करोड़ के करीब पहुँच गया है। इसका बड़ा कारण वह एमआरपी में बड़े खेल को मानते हैं। 2005 से 2009 तक 50 प्रतिशत एमआरपी पर दवाएँ बिक रही थी। अगर 1200 रुपए की एमआरपी है तो डीलर को 600 रुपए में दी जाती थी। अब डॉक्टर अपने हिसाब से एमआरपी तय करवा रहे हैं। जबकि नियमों के अनुसार दवाओं की कीमतें डॉक्टर नहीं बल्कि दवा बनाने वाली कंपनियाँ तय करती हैं। दवाओं के रेट तय करने में कई कारक शामिल होते हैं। दवाओं पर व्यापारियों को खासा मुनाफा होता है।

ब्रांडेड दवाओं पर रिटेलर ज्यादा से ज्यादा 20-25 प्रतिशत तक की छूट देते हैं। जेनेरिक दवाओं पर 50-70 प्रतिशत तक की छूट मिलती है। जेनेरिक दवाएँ सस्ती होती हैं क्योंकि उन्हें महंगी जांचों से नहीं गुजरना पड़ता। दवा खरीदते समय, दवा के रैपर पर क्यूआर कोड होना चाहिए।

दवा के रैपर पर क्यूआर कोड से दवा का नाम, ब्रैंड का नाम, मैन्युफैक्ररर की जानकारी, मैन्युफैक्ररिंग की तारीख और एक्सपायरी की तारीख मिलती है। दवाओं या उनके अवयवों के बारे में जानकारी के लिए डॉक्टर या फार्मासिस्ट से पूछा जा सकता है। मगर जो दवाएँ सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, उनमें मनमानी दवा की क्वालिटी और एमआरपी की निगरानी के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइस अथॉरिटी काम करती है। सरकार ड्रग्स प्राइस कंट्रोल ऑर्डर के माध्यम से दवा की एमआरपी पर नियंत्रण रखती है।

आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं के लिए अधिकतम मूल्य निर्धारित करने के साथ डीपीसीओ की जिम्मेदारी मरीजों के लिए दवाएँ सस्ती और सुलभ कराने की भी है।

सरकार जिन दवा को डीपीसीओ के अंतर्गत लाती है, उनकी एमआरपी तो कंट्रोल में होती है लेकिन सैकड़ों फॉर्मूले की दवाएँ आज भी सरकार के कंट्रोल से बाहर हैं, जिसकी एमआरपी में मनमानी चल रही है। दवाओं की कीमतों में इजाफे को लेकर सरकार की गाइडलाइन है कि एक साल में 10 प्रतिशत ही एमआरपी बढ़ाई जा सकती है। लेकिन कंपनियाँ प्रोडक्ट्स का नाम बदल कर हर साल डॉक्टरों की डिमांड वाली एमआरपी बना रही हैं। कंपनियाँ अलग डिवीजन और ब्रांड बदल कर एमआरपी अपने हिसाब से फिक्स कर देती हैं।

फार्मा फैक्ट्रियों से ही देश में दवाएँ सप्लाई की जाती हैं। कंपनियों और डॉक्टरों के इस खेल में कंपनियाँ अपने मुनाफे के लिए नियमों को ताक पर रखकर डॉक्टरों के हिसाब से न सिर्फ दवाएँ बनाने के लिए तैयार हो जाती हैं, बल्कि मनमानी कीमत तय कर देती हैं। तभी तो देशभर में डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और मनमाफिक मूल्य पर बेच रहे हैं।

डॉक्टर और हॉस्पिटल खुद अपनी दवाएँ बनवा रहे हैं और माइक्रो पायलट का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे ही एक्सपायरी निर्धारित होती है। अगर दवा में माइक्रो पायलट की क्वालिटी थोड़ी डाउन कर दी जाए तो मार्जिन बढ़ जाएगा लेकिन एक्सपायरी का समय कम हो जाएगा। इसके पीछे कारण यह कि मटेरियल और एक्सपायरी को लेकर सरकार की कोई गाइडलाइन नहीं है। एक्सपायरी की डेट भी कंपनियाँ तय करती हैं। सरकार के कंट्रोल में जो दवाएँ हैं, इसे लेकर थोड़ी सख्ती है। बाकी मेडिसिन पर कोई खास निगरानी नहीं है।

ये गंभीर विषय है कि दवा का निर्माण, आयात या बिक्री करने वाली कंपनियाँ ही दवा की कीमतें निर्धारित करती हैं। नियमों में कहा गया है कि केवल प्रिस्क्रिप्शन वाली दवा और ओवर-द-काउंटर दवा के प्रकार जो केवल फार्मेसियों में बेचे जा सकते हैं, उन्हें सभी फार्मेसियों में बिल्कुल एक ही कीमत पर बेचा जाना चाहिए। इसलिए क्योंकि दवाओं की कीमतें फार्मेसियों के बीच उतार-चढ़ाव नहीं करती हैं, जिसका अर्थ है कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप अपना प्रिस्क्रिप्शन भरने के लिए किस फार्मेसी को चुनते हैं। यही नहीं, दवा बनाने वाली कंपनियों पर ये नियम सख्ती से लागू किये जाएं कि वह हर साल्ट का मूल्य भारत सरकार के नियमानुसार एक जैसा निर्धारित करे, चाहे ब्रांड कोई भी हो। मूल्य ब्रांड पर न होकर साल्ट पर हो ताकि डॉक्टरों और कंपनियों के काले धंधे पर लगाम लगे और मरीज को 300 रुपये का इंजेक्शन बारह सौ में न खरीदना पड़े।

हर्बल दवाइयों और ओवर-द-काउंटर दवाइयों के प्रकार जो फार्मेसी के अलावा सुपरमार्केट और कियोस्क जैसी अन्य दुकानों में बेची जा सकती हैं, उनकी भी कीमतों में बदलाव की अनुमति सरकार की तरफ से हो। ये कीमतें पूरी तरह स्टोर द्वारा निर्धारित की जाती हैं इसलिए ग्राहक को एक स्टोर से दूसरे स्टोर में कीमतों में अंतर का अनुभव होता है।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

सर्दियों में हाथों की रूखी त्वचा की देखभाल

सौंदर्य सलाहः शहनाज हुसैन

मौसम कोई भी हो लेकिन हाथ दिन-रात काम करते हैं। हाथों की त्वचा मौसम की मार, धूल, साबुन, पानी को लगातार सहते हुए रूखी और बेजान हो जाती है। सर्दियों में यह समस्या सबसे ज्यादा गंभीर रूप धारण कर लेती है। गृहणी और कामकाजी दोनों महिलाओं के हाथ रोजाना के कामकाज के दौरान बार-बार साबुन और डिटर्जेंट के सम्पर्क में आते हैं। सर्दियों में हम जहाँ शरीर के बाकी हिस्सों को गर्म कपड़े, स्वेटर, शॉल आदि से ढंक कर रखते हैं लेकिन हमारे हाथ लगातार मौसम की मार झेलते हैं। इससे हमारे हाथ लाल, खुरदरे, सूखे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं।

आप चाहे कामकाजी महिला हों या होम मेकर, आपके हाथ हर मौसम में सबसे ज्यादा खुले रहते हैं। इससे अन्य अंगों की बजाय हाथ सबसे ज्यादा सूखे होते हैं। सर्दियों में वातावरण में नमी और बर्फीली हवाओं से आपके हाथ शुष्क और खुरदरे हो जाते हैं। वातावरण में अचानक बदलाव से हाथों की त्वचा प्रभावित होती है। सर्द ऋतु की तेज बर्फीली हवाओं से त्वचा शुष्क होने के साथ हाथों का फटना भी शुरू हो जाता है। ऐसे में सवाल उठता है की इस ठन्डे मौसम में हाथों की बाहरी संवेदनशील त्वचा में जलन, खुजली, सूखापन, एक्जिमा, डर्मेटाइटिस आदि बीमारियों को कैसे रोका जाये। मेरा मानना है कि साबुन, केमिकल, डिटर्जेंट और अल्कोहल आधारित सेनिटाइजर का हाथों पर बार-बार प्रयोग करने से हाथों की ऊपरी त्वचा में प्रोटीन को नुकसान पहुँचेगा, जिससे हाथ लाल, खुरदरे, बेजान और मुरझाये दिखने लगते हैं। इनके ज्यादा प्रयोग से आपके हाथों में कट या घाव लग सकते हैं जिससे बैक्टीरिया हमारी त्वचा में प्रवेश कर सकता है, इससे 'एक्जिमा' जैसे रोग घर कर सकते हैं। आपके हाथों में झुनझुनी का अहसास हो सकता है और त्वचा फफोलेदार और पीड़ादायक हो सकती है। वास्तव में हाथों की पिछली ओर की त्वचा काफी पतली होती है तथा इसमें तैलीय ग्रन्थियों की कमी रहती है, जिसकी वजह से हाथों में झुर्रियां पड़ जाती हैं।

हमारे हाथों की बाहरी परत की त्वचा वॉटरप्रूफ बैरियर की तरह काम करती है। यह परत समतल कोशिकाओं से बनी होती है जो त्वचा की सामान्य नमी बनाए रखते हुए त्वचा की बाहरी पदार्थों से रक्षा प्रदान करती है। जब हम हाथों को साबुन को झाग/सेनिटाइजर से बार-बार धोते हैं तो यह प्रकृतिक बैरियर टूट जाता है तथा हाथों की त्वचा को नुकसान पहुँचना शुरू हो जाता है। ऐसे में हाथों की त्वचा की रक्षा अनिवार्य है। सबसे पहले यह सुनिश्चित करें कि हाथ धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह सूखने दें तथा हाथ सूखने के बाद ही हैंड क्रीम लगाएं। हाथों के अच्छी तरह सूखने से बैक्टीरिया और वायरस दोनों मर जाते हैं जबकि गीली त्वचा से इनके फैलने का खतरा बढ़ता है। इसके अलावा सिंगल यूज नैपकिन का प्रयोग करें क्योंकि एक ही कपड़े से बार-बार हाथ पोंछने से बैक्टीरिया के फैलने का खतरा बढ़ सकता है। हाथ सूखने के बाद त्वचा पर जैल या खुश्बू रहित हैंड क्रीम उपयोग में लाएं या आप मॉइस्चराइजिंग मास्क भी अप्लाई कर सकते हैं। सर्दियों में शावर जैल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का प्रयोग बेहतर होगा।

सबसे पहले सुबह के स्नान के समय हाथों को आयॅल तथा माइस्चराइज करने की शुरुआत करनी चाहिए। कच्चे दूध की मालिश हाथों को कोमल बनाये रखने में मददगार होती है। कच्चे दूध को निकाल कर फ्रिज में रख लीजिये और जब भी समय मिले, हाथों-पांवों पर मल कर धीरे-धीरे मालिश करें। इससे त्वचा मुलायम होगी तथा त्वचा पर जमी मैल, गन्दगी दूर होगी। आप इस प्रक्रिया को रोजाना दोहरा सकते हैं या 1-2 दिन के अंतराल के बाद उपयोग कर सकते हैं।

स्नान से पहले गुनगुना तेल लगाकर हाथों पर अच्छी तरह मालिश कीजिए जिससे हाथों की त्वचा मुलायम हो जाती है। इसके लिए आप नॉरियल तेल/तिल/जैतून या बादाम तेल का उपयोग करें तो बेहतर होगा। नहाने के तत्काल बाद जब आपकी त्वचा गीली हो तो हाथों पर मॉइस्चराइजर/क्रीम लगा लीजिए जिससे त्वचा में नमी बनाए रखने में मदद मिलेगी।

बादाम, दही और चुटकी भर हल्दी डालकर बने मिश्रण हाथों पर लगाकर 30 मिनट बाद हाथों को ताजा ठण्डे पानी से धो डालिए। इस प्रक्रिया को आप हफ्ते में दो बार अपना सकते हैं। रात्रि को सोने से पहले हाथों पर पोषक क्रीम की हल्की मालिश के बाद सो जाइए।

हाथों की त्वचा को मुलायम बनाए रखने के लिए आप कुछ घरेलू हर्बल प्रसाधनों की मदद भी ले सकती हैं। आजकल बाजार में कई तरह के मॉइस्चराइजर, हैंड क्रीम आदि उत्पाद उपलब्ध हैं। बॉडी लोशन की बजाय हैंड क्रीम हमेशा बेहतर साबित होती है क्योंकि हैंड क्रीम ज्यादा पोषक होती है। पानी पर आधारित लोशन लगाने से त्वचा में सूखापन बढ़ता है क्योंकि पानी हवा में उड़ जाता है। इसके मुकाबले ऑयल आधारित क्रीम लगाना कहीं ज्यादा प्रभावी तथा लाभप्रद रहता है। जब भी आपके हाथ शुष्क हों तो तत्काल हैंड क्रीम लगाना ना भूलें। हाथों को धोने के लिए उपयोग किए जाने वाले साबुन हल्के तथा सुगन्धरहित होने चाहिए।

-चार चम्मच बादाम तेल, एक चम्मच गुलाब जल तथा आधा चम्मच टिनचर बेंजोइन मिला कर बने मिश्रण को हाथों पर लगाकर सूती कपड़े से ढंक लें तथा इसे रातभर हाथों पर लगा रहने के बाद सुबह ताजा पानी से धो डालिए। इससे आपके हाथ कोमल तथा मुलायम हो जायेंगे। लोशन की बजाय आप क्रीम/आयॅन्टमेंट को प्राथमिकता दीजिए क्योंकि यह ज्यादा प्रभावी होते हैं। नींबू जूस और चीनी को हाथों पर रगड़ने से त्वचा मुलायम होती है। हाथों की त्वचा की रंगत निखारने/मुलायम करने के लिए थोड़ी-सी चीनी में नींबू रस मिलाकर हल्की मालिश करके थोड़ी देर बाद गुनगुने पानी से धो डालिये।

-दो चम्मच सूर्यमुखी तेल, दो चम्मच नींबू जूस तथा तीन चम्मच चीनी मिलाकर बनाये गए मिश्रण को हाथों पर लगाकर आधे घण्टे बाद हाथों को ताजा साफ पानी से धो डालिए। इसे हफ्ते में तीन बार प्रयोग कर सकते हैं।

-ताजा संतरे की फांकों को अलग कर इन्हें अपने हाथों पर आहिस्ता-आहिस्ता रगड़िये।

-चोकर, बेसन, हल्दी तथा दूध मिला कर इसका पेस्ट बना लीजिए। इस मिश्रण को 20 मिनट तक हाथों पर लगाने के बाद ताजा पानी से धो डालिए।

घर से बाहर निकलने से पहले हाथों पर सनस्क्रीन लोशन का लेप करना न भूलें ताकि सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों से हाथों को सुरक्षित रखा जा सके।

-सर्दियों में नारियल तेल हाथों की कोमलता बनाये रखने में सहायक होता है। नारियल तेल से हाथों की मालिश करने से त्वचा का रूखापन खत्म हो जाता है और हाथ नरम, मुलायम और कोमल दिखने लगते हैं।

-सर्दियों में हाथों को हमेशा गुनगुने या सामान्य पानी से धोएं। ज्यादा गर्म या अत्यधिक ठन्डे पानी से हाथ धोने से हाथों की नमी कम हो जाती है जिससे हाथों की बाहरी त्वचा को नुकसान पहुँचता है।

-एक चम्मच खमीर को एक गिलास ताजा जूस में डालकर पीने से नाखून तथा त्वचा बेहतर और स्वास्थ्यवर्धक रहती है।

यदि आपकी त्वचा केमिकल युक्त साबुन, डिटरजेंट के प्रति संवेदनशील है तो आप बर्तन धोते समय हाथों पर दस्ताना पहनना कतई न भूलें। आप सब्जी धोने या कपड़े साफ करने के दौरान हाथों पर दस्ताना जरूर पहनें।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोसः एक पराक्रमी योद्धा

रमेश सर्राफ धमोरा

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस द्वारा दिया गया क्जय हिन्द% का नारा भारत का राष्ट्रीय नारा बन गया। क्तुम मुझे खून दो मैं तुम्हें आजादी दूंगा% का उनका नारा भी उस समय अत्यधिक प्रचलन में आया। आजादी की जंग में प्रमुख भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और महान क्रांतिकारी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 23 जनवरी को 127 वीं जयंती मनाई जा रही है। उनकी जयंती को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका पूरा जीवन ही साहस व पराक्रम का उदाहरण है।

नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी 1897 को उड़ीसा में कटक के एक संपन्न बंगाली परिवार में हुआ था। बोस के पिता का नाम जानकीनाथ बोस और मां का नाम प्रभावती था। जानकीनाथ बोस कटक शहर के मशहूर वकील थे। प्रभावती और जानकीनाथ बोस की कुल मिलाकर 14 संतानें थी, जिसमें 6 बेटियां और 8 बेटे थे। सुभाष चंद्र उनकी नौवीं संतान और पांचवें बेटे थे। नेताजी ने अपनी प्रारंभिक पढ़ाई कटक के रेवेंशॉव कॉलेजिएट स्कूल में हुई। उसके बाद उनकी शिक्षा कलकत्ता के प्रेजिडेंसी कॉलेज और स्कॉटिश चर्च कॉलेज से हुई। उन्होंने इंग्लैंड के केंब्रिज विश्वविद्यालय से सिविल सर्विस की परीक्षा में चौथा स्थान प्राप्त किया था।

1921 में भारत में बढ़ती राजनीतिक गतिविधियों का समाचार पाकर बोस सिविल सर्विस की सरकारी नौकरी छोड़ कर कांग्रेस से जुड़ गए। 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया तब कांग्रेस ने उसे काले झण्डे दिखाये। कोलकाता में नेताजी ने इस आन्दोलन का नेतृत्व किया। साइमन कमीशन को जवाब देने के लिये कांग्रेस ने भारत का भावी संविधान बनाने का काम आठ सदस्यीय आयोग को सौंपा। मोतीलाल नेहरू इस आयोग के अध्यक्ष और सुभाषचंद्र बोस उसके सदस्य थे।

26 जनवरी 1931 को कोलकाता में राष्ट्र ध्वज फहराकर सुभाष विशाल मोर्चे का नेतृत्व कर रहे थे तभी पुलिस ने उनको जेल भेज दिया। जब सुभाष चंद्र बोस जेल में थे तब गांधीजी ने अंग्रेज सरकार से समझौता किया और सब कैदियों को रिहा करवा दिया। लेकिन अंग्रेज सरकार ने सरदार भगत सिंह जैसे क्रान्तिकारियों को रिहा करने से साफ इन्कार कर दिया। भगत सिंह की फांसी माफ कराने के लिये गांधीजी ने सरकार से बात तो की परन्तु नरमी के साथ। सुभाष चाहते थे कि इस विषय पर गांधीजी अंग्रेज सरकार के साथ किया गया समझौता तोड़ दें लेकिन गांधीजी अपना वचन तोड़ने को राजी नहीं थे। अंग्रेज सरकार द्वारा भगत सिंह व उनके साथियों को फांसी दे दी गयी। भगत सिंह को बचा नहीं पाने पर सुभाष बोस, गांधीजी और कांग्रेस से बहुत नाराज हो गये।

1930 में सुभाष के कारावास में रहते हुये ही कोलकाता महापौर का चुनाव जीतने पर सरकार उन्हें रिहा करने पर मजबूर हो गयी। 1932 में सुभाष को फिर से कारावास हुआ। इस बार उन्हें अल्मोड़ा जेल में रखा गया। अल्मोड़ा जेल में उनकी तबीयत फिर से खराब होने पर सुभाष इलाज के लिये यूरोप चले गये। सन् 1933 से लेकर 1936 तक सुभाष यूरोप में रहे। यूरोप में सुभाष इटली के नेता मुसोलिनी से मिले। जिन्होंने उन्हें भारत के स्वतन्त्रता संग्राम में सहायता करने का वचन दिया।

1938 में गांधीजी ने कांग्रेस के हरिपुरा वार्षिक अधिवेशन में अध्यक्ष पद के लिए सुभाष को चुना तो था मगर उन्हें उनकी कार्यपद्धति पसन्द नहीं आयी। इसी दौरान यूरोप में द्वितीय विश्वयुद्ध के बादल छा गए थे। सुभाष चाहते थे कि इंग्लैंड की इस कठिनाई का लाभ उठाकर भारत का स्वतन्त्रता संग्राम अधिक तीव्र किया जाये। उन्होंने अपने अध्यक्षीय कार्यकाल में इस ओर कदम उठाना भी शुरू कर दिया था। परन्तु गांधीजी इससे सहमत नहीं थे। 1939 में जब नया कांग्रेस अध्यक्ष चुनने का वक्त आया तब सुभाष चाहते थे कि कोई ऐसा व्यक्ति अध्यक्ष बनाया जाये जो इस मामले में किसी दबाव के आगे बिल्कुल न झुके। ऐसा किसी दूसरे व्यक्ति के सामने न आने पर सुभाष ने स्वयं कांग्रेस अध्यक्ष बने रहना चाहा। लेकिन गांधीजी उन्हें अध्यक्ष पद से हटाना चाहते थे। गांधीजी ने अध्यक्ष पद के लिये पट्टाभि सीतारमैया को चुना। बहुत बरसों बाद कांग्रेस पार्टी में अध्यक्ष पद के लिये चुनाव हुआ।

चुनाव में नेताजी सुभाष को 1580 मत व सीतारमैय्या को 1377 मत मिले। गांधीजी के विरोध के बावजूद सुभाष बाबू 203 मतों से चुनाव जीत गये। गांधीजी ने पट्टाभि सीतारमैय्या की हार को अपनी हार बताया। इसके बाद कांग्रेस कार्यकारिणी के 14 में से 12 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया। 3 मई 1939 को सुभाष ने फॉरवर्ड ब्लॉक के नाम से अपनी पार्टी की स्थापना की। सुभाष चंद्र बोस ने 1937 में अपनी सेक्रेटरी और ऑस्ट्रियन युवती एमिली से शादी की। उन दोनों की अनीता नाम की एक बेटी भी हुई।

जर्मनी जाकर नेताजी हिटलर से मिले। 1943 में उन्होंने जर्मनी छोड़ दिया। वहां से वह जापान पहुंचे। जापान से वह सिंगापुर पहुंचे। जहां उन्होंने कैप्टन मोहन सिंह द्वारा स्थापित आजाद हिंद फौज की कमान अपने हाथों में ले ली। उस वक्त रास बिहारी बोस आजाद हिंद फौज के नेता थे। उन्होंने आजाद हिंद फौज का पुनर्गठन किया। महिलाओं के लिए रानी झांसी रेजिमेंट का भी गठन किया लक्ष्मी सहगल जिसकी कैप्टन बनीं।

नेताजी के नाम से प्रसिद्ध सुभाष चन्द्र ने सशक्त क्रान्ति द्वारा भारत को स्वतंत्र कराने के उद्देश्य से 21 अक्टूबर 1943 को आजाद हिन्द सरकार की स्थापना की जिसे जर्मनी, जापान, फिलीपींस, कोरिया, चीन, इटली, मान्चुको और आयरलैंड ने मान्यता दी। आजाद हिन्द फौज के प्रतीक चिह्न पर एक झंडे पर दहाड़ते हुए बाघ का चित्र बना होता था। नेताजी अपनी आजाद हिंद फौज के साथ 4 जुलाई 1944 को बर्मा पहुँचे। यहीं पर उन्होंने अपना प्रसिद्ध नारा दिया- तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा। खून भी एक-दो बूँद नहीं इतना कि खून का एक महासागर तैयार हो जाये और उसमें मैं ब्रिटिश साम्राज्य को डूबो सकूं। 1944 को आजाद हिन्द फौज ने अंग्रेजों पर दोबारा आक्रमण किया और कुछ भारतीय प्रदेशों को अंग्रेजों से मुक्त भी करा लिया।

द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान आजाद हिन्द फौज ने जापानी सेना के सहयोग से भारत पर आक्रमण किया। अपनी फौज को प्रेरित करने के लिये नेताजी ने दिल्ली चलो का नारा दिया। दोनों फौजों ने अंग्रेजों से अंदमान और निकोबार द्वीप जीत लिये। यह द्वीप आजाद-हिन्द सरकार के नियंत्रण में रहे। नेताजी ने इन द्वीपों को शहीद द्वीप और स्वराज द्वीप का नया नाम दिया। दोनों फौजों ने मिलकर इम्फाल और कोहिमा पर आक्रमण किया। लेकिन बाद में अंग्रेजों का पलड़ा भारी पड़ा और दोनों फौजों को पीछे हटना पड़ा। 6 जुलाई 1944 को आजाद हिन्द रेडियो पर अपने भाषण के माध्यम से नेताजी ने गांधीजी को पहली बार राष्ट्रपिता बुलाकर अपनी जंग के लिये उनका आशीर्वाद भी मांगा। आजाद हिन्द फौज के माध्यम से भारत को अंग्रेजों के चंगुल से आजाद करने का नेताजी का प्रयास प्रत्यक्ष रूप में सफल नहीं हो सका। किन्तु उसका दूरगामी परिणाम हुआ। सन् 1946 का नौसेना विद्रोह इसका उदाहरण है। नौसेना विद्रोह के बाद ही ब्रिटेन को विश्वास हो गया कि अब भारत में सेना के बल पर शासन नहीं किया जा सकता और भारत को स्वतन्त्र करने के अलावा उनके पास कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा।

सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में उत्तर प्रदेश ओवरऑल चैंपियन

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान उत्तर प्रदेश ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप -2025 में दमदार प्रदर्शन के साथ सर्वाधिक 59 स्वर्ण पदक के साथ अपना दबदबा बनाते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप के अंतिम दिन सीआरपीएफ की टीम उपविजेता रही जबकि मध्य प्रदेश को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। मेजबान उत्तर प्रदेश ने 59 स्वर्ण, 62 रजत व 109 कांस्य पदक सहित कुल 230 पदक के साथ पहला स्थान हासिल किया। सीआरपीएफ 13 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक के साथ दूसरे व मध्य प्रदेश 8 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप के समापन समारोह में उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी ने पदक विजेताओं को पुरस्कृत किया।

रिचर्ड डॉसन बने ग्लैमरगन के अंतरिम मुख्य कोच

एजेंसी

नई दिल्ली। ग्लैमरगन क्रिकेट क्लब ने रिचर्ड डॉसन को अपना अंतरिम मुख्य कोच नियुक्त किया है। यह कदम पिछले महीने पूर्व कोच ग्रांट ब्रैडबर्न के भेदभावपूर्ण व्यवहार के आरोपों के चलते इस्तीफा देने के बाद उठाया गया। डॉसन का कोचिंग करियर बेहतरीन अनुभवों से भरा है। उन्होंने ग्लूस्टरशायर के मुख्य कोच के रूप में छह वर्षों तक काम किया, जिसमें टीम को 2019 में डिवीजन वन में प्रमोशन दिलाने और 2020 के टी20 फाइनल में पहुंचाने में मदद की। इसके बाद उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के प्रदर्शन मार्ग में योगदान दिया और इंग्लैंड अंडर-19 टीम की देखरेख भी की।

डॉसन का बयान

नियुक्ति पर डॉसन ने कहा, मैं ग्लैमरगन के मुख्य कोच के रूप में नियुक्त होकर बेहद खुश हूं। वेल्श फायर के साथ मेरे अनुभव ने मुझे क्लब के कामकाज को करीब से समझने का मौका दिया। मैं खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ के साथ मिलकर पिछले सत्र की सफलता को आगे बढ़ाने के लिए उत्सुक हूं।

इंग्लैंड के खिलाफ मध्यक्रम को लचीला बनाए रखेगा भारत : अक्षर पटेल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के होनहार ऑलराउंडर अक्षर पटेल इंग्लैंड के खिलाफ भारतीय टीम के लचीले मध्यक्रम के साथ मैदान में उतरने की बात कही। उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के दौरान टीम इंडिया लचीले मध्यक्रम के साथ काम करेगी। पिछले साल टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम ने अपनी बल्लेबाजी लाइनअप में अक्षर पटेल जैसे खिलाड़ियों को शामिल किया है जिन्हें टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला के शुरूआती मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर ने कहा कि केवल सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा ही निश्चित बल्लेबाजी स्थान की उम्मीद कर सकते हैं। पटेल ने कहा, ...सलामी बल्लेबाज तय हैं लेकिन तीसरे से सातवें नंबर तक के सभी बल्लेबाजों को कहा गया है कि वे किसी भी समय, किसी भी स्थिति में बल्लेबाजी के लिए आ सकते हैं। उन्होंने कहा, ''हमारा मध्यक्रम मैच की स्थिति, उस समय किस तरह के गेंदबाज गेंदबाजी कर रहे हैं, कौन सी जोड़ी अच्छी तरह काम कर रही है, इस आधार पर बल्लेबाजी के लिए आएगा। हमने इस बारे में बात की है कि हम सभी फ्लोटर्स कैसे हो सकते हैं, चाहे वह जल्दी आना हो या स्पष्ट रूप से समाप्त करना हो।

नौ साल बाद रणजी में खेलेंगे रोहित, जम्मू-कश्मीर के खिलाफ मैच के लिए टीम में मिली जगह

मुंबई। रोहित शर्मा को जम्मू-कश्मीर के खिलाफ अगले रणजी ट्रॉफी मैच के लिए मुंबई की 17 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। यह मुकाबला गुरुवार से मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के बीकेसी मैदान में खेला जाएगा।

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा द्वारा महत्वपूर्ण मैच के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि करने के बाद संजय पाटिल की अगुवाई वाली मुंबई की चयन समिति ने अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में सितारों से भरी टीम की घोषणा की रोहित शर्मा ने इससे पहले आखिरी रणजी मैच नवंबर 2015 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था। हालांकि इस बार खराब फॉर्म की वजह से उन्हें रणजी खेलों की ओर रुख करना पड़ा है। यह निर्णय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के क्रिकेटरों को शेष घरेलू प्रथम श्रेणी सीज़न में खेलने के लिए सर्वोत्तम प्रयास करने के आदेश के मद्देनजर आया है। यह नहीं, युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के भी जल्द मुंबई रणजी टीम से जुड़ने की उम्मीद है। रोहित इस युवा खिलाड़ी के साथ पारी की शुरुआत करेंगे। जबकि मध्यक्रम को रहाणे, श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे मजबूती देंगे। अनुभवी गेंदबाज शार्दुल ठाकुर को भी टीम में शामिल किया गया है।

सोफी एक्लेस्टोन ने एशेज हार के बाद टीवी इंटरव्यू से किया इनकार : एलेक्स हार्टले

एजेंसी

नई दिल्ली। इंग्लैंड की पूर्व विश्व कप विजेता स्पिनर एलेक्स हार्टले ने दावा किया है कि उन्हें राष्ट्रीय टीम द्वारा अनदेखा किया जा रहा है। हार्टले का कहना है कि टीम की प्रमुख खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन ने उनके साथ टीवी इंटरव्यू करने से इनकार कर दिया। यह विवाद हार्टले द्वारा इंग्लैंड की खिलाड़ियों की फिटनेस पर की गई आलोचना के बाद खड़ा हुआ है।

हार्टले, जो पेशेवर क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद एक सफल प्रसारक और विश्लेषक के रूप में सक्रिय हैं, ने हाल ही में कहा था कि इंग्लैंड की टीम ने अक्टूबर में टी20 विश्व कप के दौरान खराब फिटनेस के कारण निराशाजनक प्रदर्शन किया था। उन्होंने दुबई में वेस्टइंडीज के खिलाफ हार को इंग्लैंड के कुछ खिलाड़ियों की फिटनेस के लिए जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, इंग्लैंड के कप्तान हीथर नाइट और कोच जॉन लुईस ने इस आरोप को खारिज करते हुए इसे टीम के प्रदर्शन का कारण मानने से इनकार किया था।

सिडनी में खेले गए पहले टी20 मैच में इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया से 57 रन से हार का सामना करना पड़ा,

जिससे ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज में 8-0 की बढ़त बना ली। इस हार के बाद हार्टले ने बीबीसी के टीएमएस पॉडकास्ट पर खुलासा किया कि इंग्लैंड की टीम अब उनसे कोई संवाद नहीं कर रही है।

हार्टले ने कहा, इंग्लैंड की टीम ने मुझे पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया है। मैंने केवल यह कहा था कि उनकी फिटनेस ऑस्ट्रेलिया के स्तर की नहीं है। मेरा मकसद था कि वे बेहतर बनें और बड़ी ट्रॉफियां जीतें। लेकिन तब से टीम ने मुझसे दूरी बना ली है।

इंग्लैंड की फील्डिंग और फिटनेस पर सवाल

एशेज सीरीज के दौरान इंग्लैंड की फील्डिंग और एथलेटिक प्रदर्शन सवालों के घेरे में रहा है। हार्टले ने कहा कि इंग्लैंड ने पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलिया की एथलेटिकिज्म का सामना करने में संघर्ष किया। उन्होंने इंग्लैंड के कोच जॉन लुईस के उस बयान को भी खारिज किया, जिसमें उन्होंने टीम में फिटनेस को कोई समस्या नहीं बताया था। हार्टले ने कहा, जॉन लुईस का मानना है कि इंग्लैंड की फिटनेस में कोई समस्या नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि कुछ खिलाड़ियों की एथलेटिकिज्म में सुधार की जरूरत है। अगर मेरी राय टीम को गलत लगती है, तो यह उनका अधिकार है, लेकिन मेरे साथ किया गया व्यवहार पूरी तरह से अनुचित है। हार्टले ने साफ किया कि उनकी टिप्पणियों का मकसद टीम की आलोचना नहीं, बल्कि उसे बेहतर बनाने में मदद करना था। उन्होंने कहा, अगर इंग्लैंड और मेरे रिश्ते इसी तरह आगे बढ़ने वाले हैं, तो ऐसा ही सही। लेकिन मैं हमेशा वही कहूंगी जो मुझे सही लगे।

मैनचेस्टर सिटी ने उज्बेकिस्तान के डिफेंडर खुसानोव के साथ अनुबंध पूरा किया

एजेंसी

लंदन। मैनचेस्टर सिटी ने फ्रांसीसी टीम लेंस से सेंट्रल डिफेंडर अब्दुकोदिर खुसानोव के साथ अनुबंध की पुष्टि की है। इसके साथ ही खुसानोव प्रीमियर लीग में खेलने वाले उज्बेकिस्तान के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। 20 वर्षीय खिलाड़ी ने जून 2029 तक साढ़े चार साल के अनुबंध पर सहमति जताई है, और इंग्लिश क्लब को इसके लिए 33.6 मिलियन पाउंड (41.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर) का भुगतान करना पड़ा है, क्योंकि वे अपनी पहली टीम के दल को फिर से जीवंत करना चाहते हैं। यह बिक्री लेंस के लिए बहुत बड़ा लाभ है, जिन्होंने 18 महीने पहले बेलारूसी क्लब एनर्जेटिक-बीजीयू से उज्बेकिस्तान के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी को लगभग 90,000 यूरो (94,000 अमेरिकी डॉलर) में साइन किया था। खुसानोव ने पेप गार्डियोला द्वारा प्रशिक्षित क्लब के लिए साइन करने पर अपनी संतुष्टि व्यक्त की, क्लब की वेबसाइट के हवाले से उन्होंने कहा कि मैनचेस्टर सिटी की टीम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भरी हुई है, और मैं उनसे मिलने और उनके साथ खेलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता।

उन्होंने कहा, और निश्चित रूप से पेप गार्डियोला अब तक के सबसे महान कोचों में से एक हैं और मैं उनसे सीखने और अपने खेल को और भी बेहतर बनाने के लिए बहुत उत्साहित हूं।

मैनचेस्टर सिटी के फुटबॉल निदेशक त्सिकी बेगिरिस्टेन ने बताया कि खुसानोव, जिन्होंने अपने देश के लिए 18 बार खेला है, बहुत बुद्धिमान हैं, साथ ही मजबूत, आक्रामक और बेहद तेज हैं।

सिंधु, चिराग-सात्विक लक्ष्य करेंगे भारतीय चुनौती की अगुवाई

एजेंसी

नयी दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन जकार्ता में शुरू होने वाले इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। महिला एकल विश्व बैडमिंटन रैंकिंग में 16वें स्थान पर काबिज पीवी सिंधु अपने टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में वियतनाम की दुनिया की 32वें नंबर की खिलाड़ी गुयेन थ्यू लिन्ह से भिड़ेंगी। इसी के साथ महिला एकल वर्ग में आकर्षी कश्यप, अनुपमा उपाध्याय और रक्षिता रामराज भी एक्शन में नजर आएंगी।

लक्ष्य सेन अपने राउंड ऑफ 32 में जापान के ताकुमा ओबायाशी का सामना करेंगे।

प्रियांशु राजावत और किरण जॉर्ज भी इंडोनेशिया मास्टर्स 2025 में पुरुष एकल में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। पुरुष युगल स्पर्धा में, चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की जोड़ी भारत की एकमात्र और सबसे बड़ी उम्मीद होगी। चिराग-पोनप्पा-तनीषा क्रास्टो भारतीय जोड़ी पहले दौर में थाईलैंड की ओर्निचा जोंगसाथापोर्नपार्न-सुकिता सुवाचाई से मुकाबला करेंगी।

सात्विक की जोड़ी अपने राउंड ऑफ 32 मैच में चीनी ताइपे के चेन झी-रे और लिन यू-चीह से भिड़ेगी। महिला युगल वर्ग में अश्विनी मिश्रित युगल में तनीषा क्रास्टो ध्रुव कपिला के साथ इंडोनेशिया के अदनान मौलाना और इंदा काहया सारी जमील भिड़ेंगी।

तेजस शिरसे ने लक्जमबर्ग में 60 मीटर हर्डल्स का तोड़ा राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एजेंसी

लक्जमबर्ग । भारतीय धावक तेजस शिरसे ने सीएमसीएम लक्जमबर्ग इंडोर मीटिंग 2025 में पुरुषों की 60 मीटर बाधा दौड़ एथलेटिक्स में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। तेजस शिरसे ने कोक स्पोर्ट सेंटर में हुई अपनी हीट्स में 7.65 सेकेंड का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उन्होंने 2017 में सिद्धांत थिंगालया द्वारा बनाए गए 7.70 सेकेंड के पुराने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

फाइनल में भी 22 वर्षीय भारतीय एथलीट ने अपनी हीट्स का समय दोहराया और संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर रहे। हालांकि, वह वर्ल्ड एथलेटिक्स इंडोर चैंपियनशिप 2025 के लिए निर्धारित क्वालीफाइंग मानक (7.57 सेकेंड) से सिर्फ 0.08 सेकेंड से चूक गए। इस प्रतियोगिता में पोलैंड के जकुब स्ज़िमान्स्की ने 7.41 सेकेंड के समय के साथ

स्वर्ण पदक जीता। बेल्जियम के एली बकारी (7.55 सेकेंड) और पोलैंड के डेमियन च्जिकियर (7.60 सेकेंड) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। तेजस का इससे पहले 60 मीटर बाधा दौड़ में व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय 7.75 सेकेंड का था, जो उन्होंने पिछले साल फरवरी में ईरान के तेहरान में आयोजित एक एथलेटिक्स मीट में बनाया था। पिछले साल तेजस ने फिनलैंड के ज्यवेस्किला में वर्ल्ड एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर मीटिंग में पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ में भी नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने इंग्लैंड को 57 रनों से हराया

एजेंसी

सिडनी। बेथ मूनी (75) रनों की अर्धशतकीय पारी के बाद जॉर्जिया वेयरहैम (तीन विकेट) और अलाना किंग (दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने पहले टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड को 57 रनों से हरा दिया हैं। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली हैं। 199 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र चार रन के स्कोर पर अपने दोनों सलामी बल्लेबाजों के विकेट गवां दिये। मैया बाउचियर और डेनिएल वायट बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गई। इसके बाद सोफिया डंकली ने नेट साइबर ब्रंट के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे इंग्लैंड के बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सके। नेट साइबर ब्रंट (20) को अलाना किंग ने बोल्ड आउट किया। कप्तान हीथर नाइट

(18), एमी जोंस (12), सोफी एक्लस्टन (13) रन बनाकर आउट हुई। सोफिया डंकली ने इंग्लैंड के लिए 30 गेंदों में छह चौके और चार छक्के लगाते हुए (59) रनों की पारी खेली। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने इंग्लैंड की पूरी टीम को 16 ओवर में 141 के स्कोर पर समेट कर 57 रनों से मुकाबला जीत लिया। 75 रनों की अर्धशतकीय पारी खेलने वाली ऑस्ट्रेलिया की बल्लेबाज बेथ मूनी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जॉर्जिया वेयरहैम ने तीन विकेट और अलाना किंग ने दो विकेट लिये। मेगन शूट, किम गार्थ, ऐनाबेल सदरलैंड और तालिया मैक्ग्रा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां इंग्लैंड की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलिया के लिये बेथ मूनी और जॉर्जिया वेयरहैम की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए (40) रन जोड़े। चौथे ओवर में लॉरेन बेल ने जॉर्जिया वेयरहैम (21) को पगबाधा आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद फीबी लिचफील्ड (25) रनआउट हुई। एलिस पेरी (सात), ऐनाबेल सदरलैंड (तीन) रन बनाकर आउट हुई। कप्तान तालिया मैक्ग्रा ने नौ गेंदों में 26 रनों की पारी खेली। ग्रेस हैरिस (14) रन बनाकर आउट हुई। बेथ मूनी ने 51 गेंदों में 11 चौकों की मदद से (75) रन बनाये। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 198 का स्कोर खड़ा किया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन: शेल्टन ने मोनफिल्स को तथा सोनेगो ने टिएन को हराया

एजेंसी

मेलबर्न। अमेरिका के टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन फ्रांस के गेल मोनफिल्स तथा इटली के लोरेंजो सोनेगो ने अमेरिका के लर्नर टिएन पर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। आज यहां खेले गये मुकाबले में 22 वर्षीय अमेरिका के खिलाड़ी ने लगभग तीन घंटे की कड़ी टक्कर के बाद 7-6, 6-7, 7-6,1-0 से जीत दर्ज की। 19वीं बार ऑस्ट्रेलियन ओपन में भाग लेने वाले मोनफिल्स को पीठ की चोट के कारण रिटायर होना पड़ा। इस बीच एक अन्य मैच में इटली के लोरेंजो सोनेगो ने अमेरिकी लर्नर टिएन को 6-3, 6-2, 3-6, 6-1 से हराकर अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टरफाइनल में पहुंचकर इतिहास रच दिया।

सिनेर ने रूण को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टरफाइनल में

एजेंसी

मेलबर्न। गत चैंपियन जैनिक सिनेर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर डेनमार्क के होल्गर रूण को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली हैं।

आज यहां खेले गये मुकाबले में इटली के सिनेर ने कड़ी चुनौती के बीच अपनी शारीरिक और मानसिक क्षमता का पूरा इस्तेमाल करते हुए डेनमार्क के होल्गर रूण पर 6-3, 3-6, 6-3, 6-2 से जीत हासिल कर अगले दौर में जगह बनाई।

इटली के टेनिस खिलाड़ी ने पहला सेट मात्र 33 मिनट में जीत लिया। 13वीं वरीयता प्राप्त रूण को सिनेर की ताकत और सटीकता को नियंत्रित करने में संघर्ष करना पड़ा। डेन केवल एक बार सिनेर की सर्विस पर 2-0 से आगे थे। हालांकि, रूण ने अपनी लय हासिल करते हुए कई ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद दूसरा सेट 6-3 से जीतकर मैच को 1-1 से बराबर कर दिया। रूण की मैच में वापसी के बावजूद सिनेर ने तीसरे सेट में अपनी स्थिति मजबूत की। कई ब्रेक पॉइंट बचाने के बाद, सिनर ने रूण की गलतियों का

फायदा उठाया, डेन की सर्विस को तोड़कर मैच पर नियंत्रण हासिल किया। रूण ने जांघ की चोट के लिए उपचार भी करवाया, लेकिन सिनेर ने अपना ध्यान बनाए रखा। चौथा सेट निर्णायक साबित हुआ।

इस दौरान टूटे हुए नेट के कारण थोड़े समय के व्यवधान के बाद सिनेर ने गति पकड़ी, रूण की सर्विस को दो बार तोड़ा और फिर आसानी से मैच जीत लिया। क्वार्टर फाइनल में सिनेर का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनाउर और अमेरिकी खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन के मैच के विजेता से होगा।

सूरमा हॉकी क्लब ने श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराया

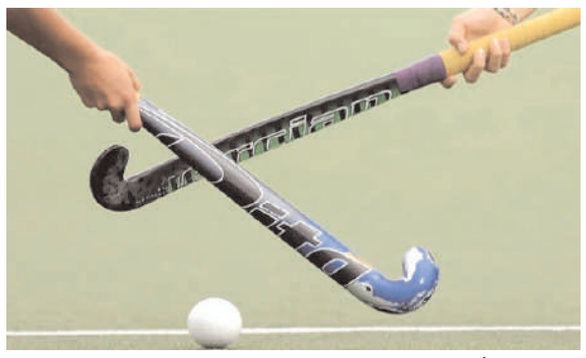

एजेंस

राउरकेला। जेएसडब्ल्यू सूरमा हॉकी क्लब ने पुरुष हीरो हॉकी इंडिया लीग 2024-25 में रोमांचक मुकाबले में श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स को 2-1 से हराया। यहां राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में आयोजित मुकाबले के पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रमाक खेल का प्रदर्शन किया लेकिन दोनों ही गोल करने में विफल रहे। मैच के दूसरे क्वार्टर में में सूरमा हॉकी क्लब के लिए प्रभजोत सिंह ने (21वें) मिनट में गोल कर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मनिंदर सिंह ने (28वें) मिनट में गोलकर टीम को बढ़त को दोगुना कर दिया। वही श्राची राढ़ बंगाल टाइगर्स के लिए एकमात्र गोल जुगराज सिंह ने (39वे) मिनट में किया।

अगला खो खो विश्वकप बर्मिंघम में होगा : सुधांशु मित्तल

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खो खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने कहा कि वर्ष 2027 में होने वाले अगले विश्वकप की मेजबानी इंग्लैंड का बर्मिंघम करेगा। खो खो विश्व कप के पहले संस्करण के सफल समापन के बाद आज यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में श्री मित्तल ने अगले खो-खो विश्वकप की मजबानी करने वाले शहर के नाम की घोषणा की। श्री मित्तल ने कहा, केकेडब्ल्यूसी 2025 एक बड़ी सफलता थी। हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि अगला खो-खो विश्व कप 2026-2027 में इंग्लैंड के बर्मिंघम में आयोजित किया जाएगा। हमें यह देखकर बहुत खुशी होगी कि दूसरा संस्करण पहले संस्करण से बड़ा होगा और सभी उम्मीदों को पार करेगा।उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय खो-खो महासंघ का अगला कांग्रेस सत्र भी 17 अप्रैल को होगा, जहां अगले चार वर्षों की रणनीति पर चर्चा की जाएगी और उसे औपचारिक रूप दिया जाएगा। इस अवसर पर भारतीय महिला और पुरुष टीमों के कप्तानों ने केकेएफआई अध्यक्ष और सचिव को ट्रॉफी सौंपते हुए जीत पर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। दोनों टीमों के कोच सुमित भाटिया, डॉ. मुन्नी जून (महिला टीम) और अश्विनी शर्मा (पुरुष टीम) ने भी इस आयोजन के लिए महासंघ का आभार व्यक्त किया और खेल को वैश्विक पहचान दिलाने में मदद की। इस समारोह में

केकेएफआई के महासचिव एम.एस. त्यागी, अंतरराष्ट्रीय खो खो महासंघ के महासचिव रोहित हल्दानिया, ईज माई ट्रिप के वीरेंद्र कुमार, केकेडब्ल्यूसी के सीईओ मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा और दोनों विश्व कप विजेता कप्तान- प्रतीक वाइकर और प्रियंका इंगले शामिल हुए।

ताइक्वांडो चैंपियनशिप : 59 स्वर्ण के साथ उप्र ने जीता चैंपियन ट्राफी, सीआरपीएफ रही उपविजेता

एजेंसी

लखनऊ। मेजबान उत्तर प्रदेश ने सातवीं नेशनल ओपन ताइक्वांडो चैंपियनशिप में दमदार प्रदर्शन के साथ सर्वाधिक 59 स्वर्ण पदक के साथ अपना दबदबा बनाते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम कर ली। ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस चैंपियनशिप के अंतिम दिन सीआरपीएफ की टीम उपविजेता रही, जबकि मध्य प्रदेश को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा।

मेजबान उत्तर प्रदेश ने 59 स्वर्ण, 62 रजत व 109 कांस्य पदक सहित कुल 230 पदक के साथ पहला स्थान हासिल किया। सीआरपीएफ 13 स्वर्ण, 2 रजत व 1 कांस्य सहित कुल 16 पदक के साथ दूसरे व मध्य प्रदेश 8 स्वर्ण, 3 रजत व 2 कांस्य सहित कुल 13 पदक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चैंपियनशिप के समापन समारोह में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष डा.सैयद रफत जुबैर रिजवी ने पदक विजेताओं को पुरस्कृत किया और आगामी टूर्नामेंटों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं दी। समापन समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव राजकुमार ने की। जूनियर बालक अंडर-48 किग्रा में सर्विसेज के जश्न योगी ने

स्वर्ण, बिहार के सौरभ कुमार ने रजत एवं मध्य प्रदेश के अभि शर्मा व उत्तर प्रदेश के प्रखर सिंह ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-51 किग्रा में उत्तर प्रदेश के सुधीर कुमार ने स्वर्ण, सर्विसेज के शिवांश सेंगर ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के लवकुश व साई रायबरेली के निर्जल कुमार ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-55 किग्रा में साई काशीपुर के प्रथमेश पंवार ने स्वर्ण, हरियाणा के प्रदीप ने रजत, सर्विसेज के अनुज तिवारी व बिहार के ऋतिक कुमार ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालिका अंडर-52 किग्रा में तूषिका वर्मा ने स्वर्ण, अनन्या यादव ने रजत एवं आयुषी कुशवाहा व आरोही खन्ना (सभी उत्तर प्रदेश) ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-63 किग्रा में सर्विसेज के भूपिंदर ने स्वर्ण, साई काशीपुर के विजय यादव ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के विजय व हिमांशु तिवारी ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक 78 किग्रा से अधिक में बिहार के राजकुमार ने स्वर्ण, उत्तर प्रदेश के अंश प्रताप सिंह ने रजत एवं उत्तर प्रदेश के अबु हुरैरा व युवराज गुप्ता ने कांस्य पदक जीते। जूनियर बालक अंडर-78 किग्रा में आदित्य राज कौशल ने स्वर्ण, अक्षत गुसाई ने रजत (दोनों साई काशीपुर) एवं उत्तर प्रदेश के आदित्य कुमार दुबे व पंजाब के शरद सिंह ने कांस्य पदक जीते।

पेटीएम को तीसरी तिमाही में 208.5 करोड़ रुपये का घाटा

एजेंसी

नई दिल्ली। डिजिटल भुगतान प्लेटफॉर्म पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व रखने वाली फिनटेक फर्म वन97 कम्युनिकेशंस का 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही में घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में उसे 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था।कंपनी ने रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 की 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में उसका समेकित घाटा कम होकर 208.5 करोड़ रुपये रहा है। पिछले वित्?त वर्ष की इसी अवधि में पेटीएम को 221.7 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। तीसरी तिमाही में पेटीएम की परिचालन आय 35.8 प्रतिशत घटकर 1,827.8 करोड़ रुपये रह गई, जो वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में 2,850.5 करोड़ रुपये रही थी। हालांकि, तिमाही आधार पर कंपनी के राजस्व में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस ने अगस्त 2009 में पेटीएम पेमेंट ऐप लॉन्च किया था। इसके फाउंडर विजय शेखर शर्मा हैं। फिलहाल देश में पेटीएम के 30 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। पेटीएम का मार्केट कैप करीब 28 हजार करोड़ रुपये है। ये कंपनी भारत में उपभोक्ताओं और व्यापारियों को डिजिटल भुगतान और वित्तीय सेवाएं प्रदान करती है।

बारफ्लैक्स पॉलीफिल्म्स ने फ्लैट लिस्टिंग से निवेशकों को किया निराश, लिस्ट होते ही अपर सर्किट पर पहुंचे शेयर

नई दिल्ली। फ्लैक्सिबल पैकेजिंग मैटेरियल्स बनाने वाली कंपनी बारफ्लैक्स पॉलीफिल्म्स के शेयरों ने आज फ्लैट लिस्टिंग से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। हालांकि लिस्टिंग के थोड़ी देर बाद ही खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 60 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 60 रुपये के स्तर पर ही हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद शेयरों की जोरदार खरीदारी हुई, जिससे थोड़ी ही देर में ये उछल कर 63 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। बारफ्लैक्स पॉलीफिल्म्स का 39.42 करोड़ रुपये का आईपीओ 10 से 15 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 151.52 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 78.22 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 373.12 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 98.48 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोने की कीमत में आई कमजोरी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 81,250 रुपये से लेकर 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 74,490 रुपये से लेकर 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दिल्ली सर्राफा बाजार में आज चांदी 96,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 81,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 74,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 81,150 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 74,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 81,100 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 74,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है।

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस की रणनीतिक साझेदारी

नयी दिल्ली। दूरसंचार सेवा प्रदाता भारती एयरटेल और देश की निजी क्षेत्र की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस ने आज वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में से एक बनने और वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की। इस साझेदारी में एयरटेल के 37 करोड़ का सक्रिय ग्राहक, 12 लाख से अधिक का डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क तथा बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों का विविध समूह और 5,000 से अधिक शाखाएं एवं 70000 क्षेत्रीय एजेंट शामिल है ।एयरटेल, बजाज फाइनेंस के खुदरा वित्तीय उत्पाद शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से भी उपलब्ध कराएगा, ताकि ग्राहकों को इस सुविधा का सहज और सुरक्षित अनुभव मिल सके। दोनो कंपनियों की डिजिटल परिसम्पतियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाएगी।

स्टॉक मार्केट में लक्ष्मी डेंटल की जोरदार एंट्री, 23 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। डेंटल प्रोडक्ट्स की डिजाइनिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग करने का काम करने वाली कंपनी लक्ष्मी डेंटल के शेयरों की आज स्टॉक मार्केट में जबरदस्त एंट्री हुई। कंपनी के आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 428 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर ये शेयर 528 रुपये के स्तर पर और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर 542 रुपये के स्तर पर लिस्ट हुए। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 23 प्रतिशत से अधिक का लिस्टिंग गेन मिल गया। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से ये शेयर उछल कर 584 रुपये के स्तर तक पहुंचा। दोपहर 11 बजे ये शेयर 561.95 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को अभी तक 31.53 प्रतिशत का फायदा हो चुका है।लक्ष्मी डेंटल का 698.06 करोड़ रुपये का आईपीओ 13 से 15 जनवरी के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 114.14 गुना सब्सक्राइब हो गया था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 110.38 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 147.69 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 75.10 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 138 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 2 रुपये फेस वैल्यू वाले 1,30,85,467 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी पुराने कर्ज चुकाने नई मशीनरी की खरीदारी करने और आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक वित्त वर्ष 2021-22 में इसे 18.68 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2022-23 में घट कर 4.16 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। इसके बाद 2023-24 में कंपनी को 25.23 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। इस अवधि में कंपनी का राजस्व 18 प्रतिशत की चक्रवृद्धि दर से बढ़ कर 195.26 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली छमाही यानी अप्रैल से सितंबर 2024 के दौरान कंपनी को 22.74 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका है। वहीं इस अवधि में कंपनी को 117.90 करोड़ रुपये का राजस्व मिल चुका है।

कांच उद्योग भारत की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

कोलकाता। केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी एवं पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि भारत के भविष्य की आर्थिक प्रगति में कांच उद्योग की भूमिका बेहद अहम है।

उन्होंने कांच उद्योग के विकास के लिए शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास केंद्रों और निजी क्षेत्र के बीच बेहतर समन्वय और जागरुकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया।वे कोलकाता में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कांच कांग्रेस में शामिल हुए जिसका आयोजन सीएसआईआर-सेंट्रल ग्लास एंड सेरामिक रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा किया गया। मंत्री ने कहा कि कांच उद्योग में रीसाइक्लिंग क्षमता है, जो इसे स्थिरता के लिए आवश्यक बनाता है। उन्होंने 'एक संस्थान, एक थीम' के दृष्टिकोण को अपनाने का सुझाव दिया ताकि बेहतर समन्वय और परिणाम प्राप्त किए जा सकें। इसके साथ ही उन्होंने कांच उद्योग के योगदान के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए एक राष्ट्रीय अभियान की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

जितेंद्र सिंह ने शैक्षणिक संस्थानों, स्टार्टअप और उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने मुंबई में स्थापित नए सीएसआईआर इनोवेशन कॉम्प्लेक्स का जिक्र करते हुए कहा कि यह भारत की स्टार्टअप यात्रा के एक महत्वपूर्ण समय में स्थापित हुआ है। उन्होंने कहा, भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है, जिसमें 100 से अधिक यूनिकॉर्न शामिल हैं। ये भारत की उद्यमशीलता क्षमता का प्रमाण है।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया को दिसंबर तिमाही में 959 करोड़ रुपये का मुनाफा

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई) ने वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त (अक्टूबर-दिसंबर) तिमाही में बैंक का मुनाफा 33 फीसदी बढ़कर 959 करोड़ रुपये हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 718 करोड़ रुपये रहा था। सेंट्रल बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि तीसरी तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 9,739 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 9,139 करोड़ रुपये थी। इस दौरान बैंक की ब्याज आय भी बढ़कर 8,509 करोड़ रुपये हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7,809 करोड़ रुपये थी। बैंक का परिचालन लाभ बढ़कर 1,963 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 1,931 करोड़ रुपये था। इसके अलावा परिसंपत्ति की गुणवत्ता के मामले में बैंक की सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) पिछले वित्?त वर्ष के 4.50 फीसदी

से घटकर 31 दिसंबर, 2024 के अंत में कुल कर्ज का 3.86 फीसदी रह गईं। वहीं, शुद्ध एनपीए भी पिछले वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही के अंत में 1.27 फीसदी से घटकर अक?टूबर-दिसंबर तिमाही में 0.59 फीसदी हो गए हैं। बैंक ने कहा कि उसे फ्यूचर जनरल इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईआईसीएल) में फ्यूचर एंटरप्राइजेज लिमिटेड (एफईएल) की 24.91 फीसदी हिस्सेदारी और फ्यूचर जनरली इंडिया लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड (एफजीआईएलआईसीएल) में एफईएल की 25.18 फीसदी हिस्सेदारी के प्रस्तावित अधिग्रहण के लिए 15 अक्टूबर, 2024 को भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) की मंजूरी मिल गई है।

केंद्र ने चालू सत्र में 10 लाख टन चीनी निर्यात की अनुमति दी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मौजूदा चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 10 लाख मीट्रिक टन चीनी के निर्यात की अनुमति दे दी है। पिछले विपणन सत्र 2023-24 के दौरान घरेलू आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण चीनी के निर्यात पर पूरी तरह से अंकुश लागू था। खाद्य मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया जिसमें चीनी विपणन सत्र 2024-25 में 10 लाख टन चीनी के निर्यात की अनुमति दी गई है। मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में मिल-वार चीनी निर्यात का कोटा निर्धारित किया गया है। केंद्रीय खाद्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक्स पोस?ट में लिखा कि भारत सरकार ने चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 के लिए 10 लाख टन चीनी के निर्यात को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि इससे मूल्य स्थिरता सुनिश्चित होगी, पांच करोड़ किसान परिवारों तथा पांच लाख श्रमिकों को सहायता मिलेगी और चीनी क्षेत्र मजबूत होगा। वहीं, एग्रीमंडी लाइव के संस्थापक और एमडी उप्पल शाह ने एक बयान

में कहा, हम सरकार के 10 लाख मीट्रिक टन चीनी निर्यात की अनुमति देने के फैसले का स्वागत करते हैं। हम जानते हैं कि भारतीय बाजार में चीनी की कम कीमतों के कारण चीनी मिलें नकदी की समस्या से जूझ रही हैं। इससे वे आर्थिक रूप से कमजोर हो गई हैं।

शाह ने कहा कि आज के फैसले से चीनी की कीमतों में स्थिरता आएगी और मिलों को अतिरिक्त आय होगी, जिससे किसानों का बकाया चुकाने में मदद मिलेगी। चीनी निर्यात को मंजूरी देने के साथ ही मुझे उम्मीद है कि सरकार जल्द ही इथेनॉल की कीमतों में भी बढ़ोतरी करेगी, जो उत्पादकों के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है। चीनी मिलों के लिए चालू चीनी विपणन सत्र 2024-25 का सीजन सुचारू रहेगा।

कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए राज्यों के साथ केंद्रीय अधिकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्र की कृषि योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए संबंधित अधिकारियों को राज्यों के साथ निरंतर संपर्क में रहने के निर्देश दिये हैं1 श्री चौहान ने देश में कृषि व्यवस्था की स्थिति पर साप्ताहिक समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिये। समीक्षा बैठक में रबी की बुआई की प्रगति, मौसम की स्थिति, राष्ट्रीय कीट सर्वेक्षण प्रणाली के माध्यम से कीट सर्वेक्षण, कृषि उत्पादों के आयात और निर्यात सहित विपणन से संबंधित कई मुद्दे पर चर्चा हुई।उन्होंने कहा कि इन मुद्दों पर राज्य सरकारों के साथ लगातार जुड़े रहें, क्योंकि जमीनी स्तर पर मुद्दों का निपटान करने के लिए राज्य सरकार के अधिकारियों की भागीदारी की आवश्यकता होगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि समग्र फसल रकबा और फसल की स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में बेहतर है। रबी टमाटर, प्याज और आलू की बुआई चल रही है।

पुनर्चक्रण रणनीतियां बनाते समय ऑटोमोबाइल क्षेत्र प्रकृति अनुकूलन पर ध्यान दे : भूपेंद्र यादव

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव नेसोमवारको कहा कि प्रकृति की तरह कोई भी पुनर्चक्रण नहीं कर सकता। पुनर्चक्रण रणनीतियों की योजना बनाते समय ऑटोमोबाइल क्षेत्र को प्रकृति अनुकूलन पर ध्यान देना चाहिए।

भूपेंद्र यादव नई दिल्ली में स्थाई सर्कुलरिटी पर सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने के लिए ऑटोमोटिव उद्योग की दोहरी जिम्मेदारी को रेखांकित किया। 'नेचर पॉजिटिव रिसाइक्लिंग' थीम पर आयोजित इस सम्मेलन में ऑटोमोटिव उद्योग के प्रमुख हितधारकों ने सतत विकास और सर्कुलरिटी पर चर्चा की।

भूपेन्द्र यादव ने कहा कि देश यात्री वाहन बिक्री में वैश्विक स्तर

पर तीसरा सबसे बड़ा बाजार है। सर्कुलर अर्थव्यवस्था में बदलाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए केन्द्रीय मंत्री ने सर्कुलरिटी के तीन प्रभावों पर बल दिया, जिसमें आर्थिक विकास, पर्यावरणीय स्थिरता, और सामाजिक प्रभाव शामिल है। केंद्रीय मंत्री ने सरकार में 'कर-सकने' की भावना पैदा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश केवल कचरे के प्रबंधन की बात नहीं कर रहा है बल्कि अपशिष्ट के मूल्य को उजागर करने और 'अपशिष्ट को धन में बदलने' की बात कर रहा है। उन्होंने सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने में ऑटोमोटिव क्षेत्र की भूमिका पर जोर दिया, जिसमें एसडीजी 7 (सस्ती और स्वच्छ ऊर्जा), एसडीजी 8 (सभ्य कार्य और आर्थिक विकास) और एसडीजी 9 (उद्योग, नवाचार और बुनियादी ढांचा) शामिल हैं। उन्होंने बैटरी चार्जिंग के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए नवीकरणीय ऊर्जा के महत्व पर भी जोर दिया।केंद्रीय मंत्री ने पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करते हुए आर्थिक विकास को गति देने की ऑटोमोटिव उद्योग की दोहरी जिम्मेदारी को रेखांकित करते हुए अपने भाषण का समापन किया। उन्होंने वायु प्रदूषण से निपटने में वनरोपण के महत्व को रेखांकित करते हुए 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान जैसी पहलों में भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर भूपेन्द्र यादव ने एसआईएएम रणनीति पत्र का भी अनावरण किया, जिसका शीर्षक था 'ऑटोमोबाइल उद्योग में सर्कुलर भविष्य की ओर- अपशिष्ट प्रवाह विनियमन में विस्तारित उत्पादक उत्तरदायित्व (ईपीआर) व्यवस्था का एकीकरण।' इस मौके पर एसआईएएम के कार्यकारी निदेशक प्रशांत के. बनर्जी और हीरो मोटो कॉर्प के मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी विक्रम कस्बेकर भी मौजूद थे।

वॉलमार्ट ने अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने के लिए भारतीय स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी की

एजेंसी

बेंगलुरु/नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी वॉलमार्ट ने भारत स्थित स्टार्टअप्स के साथ रणनीतिक पायलट प्रोग्राम शुरू करने का ऐलान किया है, ताकि कंपनी की अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला और सोर्सिंग संचालन के लिए समाधान प्रदान किया जा सके। वॉलमार्ट ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने यूएस सप्लाई चेन और सोर्सिंग ऑपरेशंस के लिए बेहतर समाधान पाने की दिशा में तीन भारतीय स्टार्टअप्स के साथ स्ट्रेटजिक पायलट प्रोग्राम की शुरुआत करने के लिए साझेदारी की है। इन पायलट कार्यक्रमों के लिए चुने गए तीन स्टार्टअप में पुणे स्थित केबीकॉल्स साइंसेज, चेन्नई स्थित ग्रीनपॉड लैब्स और बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन शामिल हैं। इन कंपनियों ने पिछले साल भी वॉलमार्ट ग्रोथ समिट में हिस्सा लिया था। कंपनी ने कहा कि इनमें से प्रत्येक के समाधान वॉलमार्ट की आपूर्ति श्रृंखलाओं में बड़े पैमाने पर नवाचार को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। पायलट कार्यक्रम वॉलमार्ट के लिए बेहतर और अधिक ताज़ा उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाने वाले समाधानों का परीक्षण करेंगे। इन स्टार्टअप्स से मिले अनूठे समाधानों से वॉलमार्ट की सप्लाई चेन में नवाचार को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इनकी मदद से अमेरिका एवं दुनियाभर में वॉलमार्ट के ग्राहकों को बेहतर एवं ज्यादा ताजे उत्पाद उपलब्ध हो सकेंगे, जिससे उत्पादों की बर्बादी रुकेगी।

प्रत्येक स्टार्टअप के नवाचार समाधान इस प्रकार हैं:-

-पुणे स्थित केबीकोल्स साइंसेज, भारत भर में कृषि अपशिष्ट से सूक्ष्मजीवों को किण्वित करके गैर-जीएमओ प्राकृतिक रंग बनाती है। इन प्राकृतिक रंगों का उपयोग विभिन्न वस्त्रों के लिए किया जा सकता है, जिससे रंगाई प्रक्रिया में पानी और ऊर्जा के उपयोग को कम करके अधिक कुशल विनिर्माण को बढ़ावा मिलता है। सिंथेटिक रंगों के लिए एक अधिक टिकाऊ विकल्प के रूप में, यह नवाचार बड़े पैमाने पर उत्पादित कपड़ों में अधिक पुनर्योजी तरीकों का मार्ग प्रशस्त करता है। पायलट केबीकोल्स के रंगों और उनके गुणों का मूल्यांकन करेगा, उन्हें बुने हुए मैट पर परीक्षण करेगा।

-चेन्नई स्थित कंपनी ग्रीनपॉड लैब्स, पौधों के अर्क से भरे छोटे पाउच बनाती है, जो फलों और सब्जियों के प्राकृतिक रक्षा तंत्र को सक्रिय करते हैं, जिससे पकने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है और यह उस अवस्था की नकल करता है, जब वे अभी भी बेल पर होते हैं। इससे आपूर्ति श्रृंखला में यात्रा का समय बढ़ जाता है, जिससे उत्पाद लंबे समय तक ताजा बने रहते हैं। इस नवाचार में वॉलमार्ट के लिए नए सोर्सिंग भूगोल को खोलने, लागत प्रभावी शिपिंग को सक्षम करने और ग्राहकों के लिए गुणवत्ता और ताज़गी में सुधार करने की क्षमता है।

-बेंगलुरु स्थित क्रॉपिन एक एआई-संचालित एगटेक प्लेटफ़ॉर्म प्रदान करता है, जो फसल की पैदावार, उत्पादकता बढ़ाने, संसाधन उपयोग को अनुकूलित करने और लगातार फसल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। पायलट उपज अनुमान, फसल स्वास्थ्य और मौसमी संक्रमण समय की गहरी समझ हासिल करने के लिए उत्पाद आपूर्ति श्रृंखलाओं पर इस तकनीक का परीक्षण करेगा।

श्वेत वस्तुओं के लिए पीएलआई योजना के तहत 24 कंपनियों का हुआ चयन

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने व्हाइट गुड्स (श्वेत वस्तुओं) उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिसमें कुल 3 निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीटीआईआई) ने व्हाइट गुड्स के लिए पीएलआई योजना के तीसरे दौर में 24 कंपनियों का चयन किया है, जिनकी कुल निवेश प्रतिबद्धता 3,516 करोड़ रुपये है। इसमें 18 नए आवेदकों के लिए 2,299 करोड़ रुपये और छह मौजूदा लाभार्थियों के लिए अतिरिक्त 1,217 करोड़ शामिल रुपये हैं। पीएलआई योजना के ऑनलाइन आवेदन विंडो के तीसरे दौर में कुल 38 आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों की समीक्षा के बाद सरकार ने 18 नई कंपनियों का अनंतिम रूप से

चयन किया है। इन कंपनियों में एयर कंडीशनर के कलपुर्जों के 10 निर्माता और एलईडी लाइट के 8 निर्माता शामिल हैं, जिन्होंने 2,299 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है।वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक 6 मौजूदा पीएलआई लाभार्थियों को उच्च निवेश श्रेणियों में अपग्रेड करने के लिए अनंतिम रूप से चुना गया है, जिससे 1,217 करोड़ रुपये का अतिरिक्त निवेश होगा। दो मौजूदा आवेदकों सहित 13 आवेदकों को जांच और उसकी सिफारिशों के लिए विशेषज्ञों की समिति (सीओई) के पास भेजा जा रहा है। आवेदकों का विवरण अनुलग्नक में दिया गया है। उल्लेखनीय है कि पीएलआई योजना से पूरे भारत में एसी और एलईडी लाइट के कलपुर्जों के उत्पादन को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के लिए वर्ष 2030 तक ईवी की बिक्री 50 फीसदी तक पहुंचनी चाहिए: भूपेंद्र यादव

नई दिल्ली। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि वर्ष 2030 तक सभी वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की हिस्सेदारी 50 फीसदी होनी चाहिए, ताकि ऑटोमोटिव सेक्टर 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ सके। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री यादव सोमवार को नई दिल्ली में सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के तीसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

यादव ने कहा कि भारत अब कुछ देशों की आबादी से भी अधिक कारें सालाना बेचता है, लेकिन इस उपलब्धि के साथ एक जिम्मेदारी भी आती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वाहनों की बिक्री में वृद्धि अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है... और अगर हम मिलकर काम करें, तो हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि यह पर्यावरण के लिए भी बुरी खबर न हो। मंत्री ने कहा कि 2030 में ईवी की बिक्री कुल वाहन बिक्री का करीब 35 फीसदी तक पहुंचने का अनुमान है।ऑटो सेक्टर को 2070 के शुद्ध शून्य लक्ष्य के साथ पटरी पर लाने के लिए, इस हिस्से को 50 प्रतिशत तक पहुंचने की आवश्यकता है।

शुरुआती दबाव के बाद शेयर बाजार में आई मजबूती, सेंसेक्स और निफ्टी ने निचले स्तर से की रिकवरी

एजेंसी

नई दिल्ली। पॉजिटिव ग्लोबल संकेतों और कंपनियों के मजबूत तिमाही नतीजे से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार ने आज बढ़त के साथ कारोबार का अंत किया। आज के कारोबार की शुरुआत भी मजबूती के साथ हुई थी। हालांकि बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से शेयर बाजार गिर कर कुछ देर के लिए लाल निशान में भी पहुंचा, लेकिन इसके बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.59 प्रतिशत और निफ्टी 0.61 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए।

आज के कारोबार के बाद ज्यादातर इंडेक्स मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। कैपिटल गुड्स, पीएसई, टेलीकॉम, बैंक और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में आज लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही आईटी, कंज्यूमर ड्यूरेबल, हेल्थ केयर, मेटल, ऑयल एंड गैस और टेक इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी और ऑटोमोबाइल सेक्टर में आज बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.66 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.82 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत कियाआज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब पौने तीन लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 431.58 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.72 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.86 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,228 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,503 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,557 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 168 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,587 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,662 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 925 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 17 शेयर बढ़त के साथ और 13 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 29 शेयर हरे निशान में और 21 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 359.20 अंक उछल कर 76,978.53 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक पहले आधे घंटे में ही गिर कर लाल निशान में 76,584.84 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे दोपहर 1 बजे के करीब ये सूचकांक 699.61 अंक की तेजी के साथ 77,318.94 अंक के स्तर पर पहुंच गया। दिन भर की खरीद बिक्री के बाद सेंसेक्स 454.11 अंक की मजबूती के साथ 77,073.44 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 87.20 अंक की तेजी के साथ 23,290.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण थोड़ी ही देर में ये सूचकांक 32.55 अंक की कमजोरी के साथ 23,170.65 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। इसके बाद खरीदारों ने एक्टिव होकर लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई।

यूक्रेनी सैनिकों ने खेरसॉन क्षेत्र के गांव में दो रॉकेट दागे, 21 लोग घायल

एजेंसी

जेनिचेस्क। यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने खेरसॉन क्षेत्र के बेख्तेरी गांव पर एचआईएमएआरएस मल्टीपल लॉन्च सिस्टम के जरिए दो रॉकेट दागे हैं। इस हमले में 21 लोग घायल हुए हैं। गवर्नर के प्रेस सचिव वलोडिमीर वासिलेंको ने इस घटना की पुष्टि की है। वासिलेंको ने बताया कि बताया कि हमला स्थानीय स्कूल परिसर को निशाना बनाकर किया गया, जिसमें तीन बच्चों समेत 21 लोग घायल हुए। हमले के तुरंत बाद राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। स्थानीय प्रशासन ने घायल लोगों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाने के लिए एंबुलेंस और चिकित्सा दल को मौके पर तैनात किया। सचिव वासिलेंको ने कहा, यह हमला निर्दोष नागरिकों पर किया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों का उल्लंघन है। हमले के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

पुतिन ने ट्रंप को दी बधाई, कहा- बातचीत के लिए तैयार

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनके शपथ ग्रहण समारोह से पहले शुभकामनाएं दीं। ट्रंप को व्हाइट हाउस में दूसरी बार लौटने पर बधाई देते हुए पुतिन ने कहा कि वह द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार हैं। पुतिन ने टेलीविजन पर दिए गए अपने बयान में ट्रंप को उनके आगामी शपथग्रहण समारोह पर बधाई देते हुए अपने संदेश में कहा, हम दोनों देशों के हित में सहयोग बढ़ाने और वैश्विक स्थिरता के लिए मिलकर काम करने की उम्मीद करते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि रूस यूक्रेन में स्थायी शांति का पक्षधर है और इसके लिए कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता देगा। रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि हम यूक्रेनी संघर्ष पर नए अमेरिकी प्रशासन के साथ बातचीत के लिए तैयार हैं। सभी लोगों के वैध हितों के सम्मान के आधार पर स्थायी शांति सुनिश्चित होनी चाहिए। दरअसल. ट्रंप ने पहले कहा था कि एक बार जब वह पदभार संभाल लेंगे तो वह चल रहे रूस-यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने का कोशिश करेंगे। हालांकि, उन्होंने यूक्रेन युद्ध को खत्म करने को लेकर योजना का खुलासा नहीं किया था।

विवेक रामास्वामी ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे, नई भूमिका की तैयारी

वाशिंगटन । उद्यमी विवेक रामास्वामी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सरकारी कार्यदक्षता विभाग का हिस्सा नहीं होंगे। उन्हें व्हाइट हाउस में नए सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का नेतृत्व करने के लिए चुना गया था। हालांकि अब इस भूमिका को नहीं निभाएंगे। क्योंकि वह ओहायो के गवर्नर चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। यह जानकारी व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने दी। अब डीओजीई की जिम्मेदारी एलन मस्क को दी गई है, जिन्हें सोमवार दोपहर व्हाइट हाउस में देखा गया। अधिकारियों ने बताया कि मस्क को व्हाइट हाउस पास दिया गया है, और वह वेस्ट विंग से काम करेंगे। ट्रंप-वैन्स ट्रांजिशन की प्रवक्ता एना केली ने कहा, विवेक रामास्वामी ने डीओजीई की स्थापना में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि गवर्नर चुनाव में उतरने की इच्छा के चलते विवेक ने इस कमेटी से अलग होने का फैसला किया है। केली ने कहा, उनकी योजना जल्द ही चुनाव लड़ने की है, जिसके कारण उन्हें डीओजीई से बाहर रहना होगा। हम उनके योगदान के लिए दिल से धन्यवाद देते हैं और उम्मीद करते हैं कि वे अमेरिका को महान बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। डीओजीई से अलग होने के बाद रामास्वामी ने इसका हिस्सा बने रहने के लिए सम्मान बताया और अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर जल्द घोषणा करने की बात कही। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ÷डीओजीई की स्थापना में सहयोग करना मेरे लिए सम्मान की बात थी। मुझे भरोसा है कि एलन और उनकी टीम सरकार को बेहतर बनाने में सफल होंगे।

कोलम्बिया में बढ़ती हिंसा के बीच आपातकाल की स्थिति घोषित

बोगाटो। कोलम्बिया में बढ़ती हिंसा और उग्रवाद के कारण राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने उत्तर-पूर्वी क्षेत्र कैटाटुम्बो में आपातकाल की स्थिति घोषित कर दी है। श्री पेट्रो ने यह कदम हाल ही में नेशनल लिबरेशन आर्मी (ईएलएन) के उग्रवादियों की ओर से किए गए हमलों के बाद उठाया, जिनमें करीब 80 लोगों की मौत हो गई और 11 हजार से अधिक लोग विस्थापित हो गए। उन्होंने इन हमलों की निंदा की और कहा कि ईएलएन अब एक ऐसा सशस्त्र समूह बन गया है जो ड्रग तस्करी और अर्धसैनिक संस्कृति से अधिक प्रभावित है। श्री पेट्रो ने कहा कि यह हिंसा और आतंकवाद देश की सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए गंभीर खतरा बन गई है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस संकट को समाप्त करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाने होंगे। राष्ट्रपति के इस फैसले के बाद से सशस्त्र बलों ने ईएलएन द्वारा धमकी दिए गए नागरिकों को बचाने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। खासकर, उन समुदायों को निशाना बनाया गया है जिनमें शांति समझौतों के तहत हिंसा से बचने वाले लोग और उनके परिवार शामिल हैं। इन समुदायों में टिओरामा, एल तारा, कवेंसन, सान कैलिक्स्टो, हकारी और टिबू जैसे नगर पालिकाएं शामिल हैं, जहां ईएलएन के हमलों और धमकियों से नागरिकों की सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

अमेरिका में फिर आया ट्रंप युग

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ग्रहण करने के अपने पहले संबोधन में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिका का स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। अमेरिका फर्स्ट की नीति के साथ वो फिर से देश को आगे लेकर जाएंगे। उन्होंने कहा कि वो सभी को साथ लेकर चलने को तत्पर हैं। साथ ही उन्होंने दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की भी घोषणा की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के बाद पहला बड़ा फैसला लेते हुए देश के दक्षिणी सीमा पर नेशनल इमरजेंसी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि मेक्सिको बॉर्डर पर दीवार बनाई जाएगी। संगठित अपराध के खिलाफ आज से ही काम शुरू होगा। उन्होंने कहा कि घुसपैठ रोकने के लिए जरूरत पड़ी तो वहां सेना को भी भेजा जाएगा। ट्रंप ने कहा कि अवैध प्रवासियों को वहीं छोड़कर आएंगे जहां से वो आए हैं।अपनी सरकार की प्राथमिकता को बताते हुए ट्रंप ने कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता घुसपैठ को रोकना है ताकि

देश की जनता सुरक्षित महसूस करे। दूसरी प्राथमिकता महंगाई पर रोक लगाना है ताकि लोगों को जरूरी सामानों के लिए अतिरिक्त बोझ न पड़े। ट्रंप ने कहा, अत्यधिक खर्च और ऊर्जा की बढ़ती कीमतों के कारण महंगाई का संकट पैदा हुआ और इसीलिए आज मैं नेशनल एनर्जी इमरजेंसी की भी घोषणा करता हूं।लॉस एंजिल्स में आग की विभिषिका पर ट्रंप ने कहा, 'हमारे पास एक पब्लिक हेल्थ सिस्टम है जो आपदा के समय काम नहीं करता है। फिर भी दुनिया के किसी भी देश की तुलना में इसपर अधिक पैसा खर्च किया जाता है। हम ऐसा नहीं होने दे सकते। हमारे पास एक ऐसी शिक्षा प्रणाली है जो हमारे बच्चों को कई मामलों में खुद पर शर्म करना और हमारे देश से नफरत करना सिखाती है। यह सब आज से ही बदल जाएगा। ट्रंप ने कहा, मैं देशों को जोड़ने की कोशिश करूंगा। शांति स्थापित करना मेरी प्राथमिकता है। विरोधियों के खिलाफ बदले की कार्रवाई नहीं होगी। सैनिकों के अधिकार बढ़ाए जाएंगे। मैं युद्ध रोकने की कोशिश करूंगा। साथ ही उन्होंने कहा कि दूसरे देशों की जंग में अब अमेरिका की सेना नहीं जाएगी। उन्होंने कहा कि वो चाहते हैं कि दुनिया उन्हें शांति दूत के तौर पर जाने। चीन को चुनौती देते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि पनामा कैनाल से चीन का आधिपत्य खत्म करेंगे। पनामा कैनाल को वापस लेंगे। वहीं भविष्य की बात करते हुए उन्होंने कहा कि अमेरिका जल्द मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यात्री भेजेगा और दुनिया के सामने नई मिशाल पेश करेगा। अपने भाषण के शुरुआत में ट्रंप ने कहा, अमेरिका का स्वर्ण युग अब शुरू हुआ है। अमेरिका फर्स्ट की नीति के साथ वो फिर से देश को आगे लेकर जाएंगे। हम अपनी संप्रभुता बनाए रखेंगे। दुनिया हमारा इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। अमेरिका में अब घुसपैठ नहीं होगा।

विपक्षी दलों के दबाव के बीच ओली सरकार ने संसद सत्र बुलाने का किया फैसला

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के विपक्षी दलों के गठबंधन ने संसद अधिवेशन बुलाने का अल्टीमेटम दिए जाने बाद आखिरकार सरकार ने संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने का फैसला किया गया है। विपक्षी दलों के गठबंधन ने पिछले हफ्ते बैठक कर संसद का नियमित अधिवेशन बुलाने की मांग की थी। इस गठबंधन ने सोमवार तक संसद की बैठक बुलाने का फैसला नहीं करने

कर लिया है। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक में संसद का शीतकालीन सत्र बुलाने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश करने का फैसला किया है।

सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि संसद का शीतकालीन सत्र 1 फरवरी से बुलाने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश का फैसला पर विशेष अधिवेशन बुलाने के लिए स्पीकर के समक्ष मांग करने की जानकारी दी थी। विपक्षी दलों के अल्टीमेटम के आखिरी दिन सरकार ने संसद का नियमित सत्र बुलाने का निर्णय कर लिया है। इससे पहले सरकार ने संसद का सत्र बुलाने के बदले करीब आधा दर्जन अध्यादेश जारी किया था, जिसे इस सत्र में पेश करना होगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल 1500 लोगों माफी दी

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शपथ लेने के बाद सबसे पहले अपने ओवल ऑफिस पहुंचे। उन्होंने कठोर रुख अपनाते हुए पूर्ववर्ती बाइडन प्रशासन के 78 फैसलों को रद कर दिया। कई कार्यकारी आदेशों पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से बाहर होगा। डोनाल्ड ट्रंप ने इस दौरान 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफी दी। ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकॉस्टिंग कारपोरेशन की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने 6 जनवरी के कैपिटल दंगों में शामिल सभी लोगों को माफ कर दिया है। उन्होंने जेल अधिकारियों को दंगों से संबंधित सभी कैदियों को तुरंत रिहा करने का आदेश दिया। राष्ट्रपति के रूप में ओवल कार्यालय दोबारा लौटते ही ट्रंप ने सबसे पहला कार्य विद्रोह में शामिल लगभग 1,500

लोगों को क्षमा करने के आदेश पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने 14 अन्य लोगों की सजा की अवधि भी कम कर दी। साथ ही इन लोगों को भी तत्काल रिहा करने का आदेश दिया। रिहा होने वालों में धुर दक्षिणपंथी प्राउड बॉयज और ओथ कीपर्स समूहों के नेता और सदस्य शामिल हैं। सीबीएस न्यूज की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड टंप ने ऐतिहासिक पेरिस जलवायु समझौते से संयुक्त राज्य अमेरिका को निकालने की घोषणा की। खबर में कहा गया है कि इससे ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के दुनिया भर के प्रयासों को झटका लगना तय है। ट्रंप ने देश की बागडोर संभालने के बाद घोषणा की कि अमेरिका पेरिस समझौते को छोड़ देगा। उन्होंने कहा कि पेरिस जलवायु समझौते पर अमेरिका को शामिल करने का फैसला अनुचित था।

पाकिस्तान के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन, चीन ने किया निर्माण और वित्त पोषण

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में स्थित ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का आधिकारिक उद्घाटन किया गया। यह अत्याधुनिक हवाई अड्डा 42 अरब डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजना के तहत विकसित किया गया है। हवाई अड्डे के निर्माण और वित्त पोषण का कार्य चीन ने किया है, जो पाकिस्तान और चीन के बीच बढ़ते आर्थिक और रणनीतिक सहयोग का प्रतीक है। ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पाकिस्तान का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है, जिसे आधुनिक तकनीक और सुविधाओं से लैस किया गया है। इसका उद्देश्य न केवल स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय यात्रियों को बेहतर सेवाएं प्रदान करना है बल्कि यह क्षेत्र में व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस नये हवाई अड्डे पर पहुंचने वाला पहला वाणिज्यिक विमान पीके 503 बना, जिसमें वाणिज्यिक यात्री और उच्च

पदस्थ अधिकारी सवार थे। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ग्वादर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान संचालन शुरू होने पर संतोष व्यक्त किया और इसे ग्वादर को मध्य और पूर्वी एशिया, मध्य पूर्व और खाड़ी देशों के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी में बदलने में एक प्रमुख मील का पत्थर बताया। एक बयान में प्रधानमंत्री ने हवाई अड्डे के संचालन को पाकिस्तान और व्यापक क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में रेखांकित किया। पीएम शहबाज ने कहा कि यह उपलब्धि हमें सीपीईसी के माध्यम से पाकिस्तान और क्षेत्र के विकास के लिए चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की साझा प्रतिबद्धता को पूरा करने के करीब लाती है।

पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछान की जमानत के खिलाफ सरकार की हाई कोर्ट में अपील

एजेंसी

काठमांडू। पांच सहकारी बैंक के घोटाले में प्रमुख अभियुक्त बनाए गए पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने को जिला अदालत के जमानत पर रिहा करने के खिलाफ सरकार की तरफ से हाई कोर्ट के अपील की गई है। पोखरा के सूर्यदर्शन सहकारी बैंक और काठमांडू के स्वर्णलक्ष्मी सहकारी बैंक घोटाले में प्रमुख अभियुक्त बनाए जाने के बावजूद पोखरा और काठमांडू के जिला अदालत ने रवि लामिछाने को जमानत पर रिहा करने का फैसला दिया था। निचली अदालत के इस फैसले को गंडकी प्रदेश के हाई कोर्ट पोखरा और बागमती प्रदेश के हाई कोर्ट पाटन में जमानत रद्द करने की मांग की गई है। नेपाल सरकार की तरफ से महान्यायाधिवक्ता कार्यालय ने दोनों जगह पर जमानत खारिज करने की मांग के साथ अपील की गई है। पोखरा जिला अदालत द्वारा रवि लामिछाने को सहकारी घोटाले में अभियुक्त बनाने के बावजूद 60 लाख रुपये की जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था। सरकारी वकील कमला काफ्ले ने रवि को जमानत दिए जाने के खिलाफ अपील करते हुए फैसले को रद्द करने की मांग की है। उन्होंने बताया कि जमानत पर छोड़ने के कारण सबूतों के साथ छेड़खानी होने, गवाहों को प्रभावित करने के चलते जमानत रद्द करने की मांग की गई है। पोखरा और काठमांडू के बाद रवि लामिछाने के खिलाफ इस समय भैरहवा के सुप्रीम सहकारी बैंक घोटाले में प्रमुख आरोपित के रूप में आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है। जल्द ही रवि को भैरहवा जिला अदालत में पेश होकर जमानत लेनी होगी।

मुख्यमंत्री ने सियोल में वैश्विक निवेश रोड शो में लिया भाग

एजेंसी

सियोल। असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत बिस्व सरमा ने सियोल में आयोजित वैश्विक निवेश रोड शो में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने दक्षिण कोरिया के उद्योगपतियों और निवेशकों को आगामी 'एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर समिट' में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। यह समिट गुवाहाटी में 25 और 26 फरवरी को आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निवेशकों को संबोधित करते हुए कहा कि असम की रणनीतिक स्थिति, केंद्रीय सरकार का विशेष सहयोग और अनुकूल नीतियां इसे निवेश के लिए उपयुक्त गंतव्य बनाती हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक्ट ईस्ट नीति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह नीति असम को दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ संबंध मजबूत करने का केंद्र

बिंदु बना रही है। डॉ सरमा ने भारतीय चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित इस रोड शो में 140 से अधिक व्यवसायिक नेताओं से बातचीत की। उन्होंने दक्षिण कोरियाई उद्योगपतियों को असम की निवेश-हितैषी नीतियों और समृद्ध पर्यटन स्थलों के बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम, पर्यटन के साथ-साथ सेमीकंडक्टर और ऑटोमोबाइल उद्योग के लिए भी बेहतरीन संभावनाएं प्रदान करता है। बाद में, डॉ सरमा ने कोरिया ट्रेड इन्वेस्टमेंट प्रमोशन एजेंसी (केओटीआरए) के अध्यक्ष क्यूंगसुंग कांग और उनकी टीम से मुलाकात की।

उन्होंने दक्षिण कोरियाई उद्योगपतियों को समिट में भाग लेने का निमंत्रण देते हुए इसे असम और दक्षिण कोरिया के बीच व्यापार और उद्योगिक साझेदारी के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया।मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया के ऑटोमोबाइल सहायक उद्योग के सीईओ और नेताओं के साथ भी बैठक की। उन्होंने कहा कि असम भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया के विशाल ऑटो उद्योग तक आसान पहुंच के साथ उत्पादन का एक बड़ा केंद्र बन सकता है। उन्होंने उद्योगपतियों को अपनी सरकार के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया।

चीन में दो लोगों को फांसी दी गई

एजेंसी

बीजिंग। चीन ने पिछले साल नवंबर में दो अलग-अलग घातक हमलों में मौत की सजा पाए दो लोगों को फांसी दे दी। 62 वर्षीय फैन वेइकिउ को 11 नवंबर को झुहाई में एक खेल केंद्र के बाहर व्यायाम कर रहे लोगों के समूह पर जानबूझकर एसयूवी चढ़ाने का दोषी ठहराया गया था। इस हमले में 35 लोग मारे गए और 43 अन्य घायल हो गए थे। इस घटना ने सूचने देश को हिलाकर रख दिया था।

सरकारी न्यूज एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, इस घटना के कुछ दिनों बाद 16 नवंबर को 21 वर्षीय जू जियाजिन ने पूर्वी प्रांत जियांग्सू के एक कॉलेज में आठ लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी। कालेज स्टूडेंट जू परीक्षा में फेल हो गया था और फैक्टरी इंटर्न के रूप में मिलने वाले कम मानदेय से भी नाराज था। झुहाई की अदालत ने फैन को दोषी ठहराया था। अदालत ने जोर दिया था कि फैन के व्यवहार के लिए मौत के मामले में कानून की सबसे कड़ी सजा जरूरी है। दिसंबर में यह

मामला बीजिंग स्थित सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट में पहुंचा। शीर्ष अदालत ने भी कहा था कि दोषी को कड़ी सजा दी जानी चाहिए। शिन्हुआ के मुताबिक, फांसी के तरीके को सार्वजनिक नहीं किया गया पर जू को फांसी से पहले अपने परिवार से मिलने की अनुमति दी गई। सुप्रीम पीपुल्स कोर्ट के अध्यक्ष और मुख्य न्यायाधीश झांग जून ने गंभीर अपराधों के लिए सख्त और छोटे सामाजिक अपराधों के लिए अधिक उदार सजा का आग्रह किया है। चीन की कानून प्रवर्तन एजेंसियों की देखरेख करने वाले केंद्रीय राजनीतिक और कानूनी मामलों के आयोग के महासचिव यिन बाई ने वीभत्स घटनाओं को रोकने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों का आह्वान किया है। यही नहीं, राष्ट्रपति शी जिनपिंग सहित शीर्ष नेता दुर्लभ मामलों में कठोरतम दंड की वकालत कर चुके हैं। शीर्ष अभियोजक यिंग योंग ने हाल की घटनाओं से लिए गए सबक के आधार पर इसी तरह के अपराधों को रोकने और जांच में सुधार लाने की आवश्यकता पर जोर दिया है। दो लोगों की फांसी की सजा पर सीएनएन ने भी खबर दी है। इसमें कहा गया कि चीन के अधिकांश सोशल मीडिया यूजर ने 62 वर्षीय फैन वेइकिउ और 21 वर्षीय जू जियाजिन को फांसी देने पर खुशी जताई है। इस पर एमनेस्टी इंटरनेशनल ने कहा है कि चीन फांसी की कुल संख्या पर पारदर्शी जानकारी प्रदान नहीं करता है। माना जाता है कि चीन दुनिया का शीर्ष जल्लाद है। जहां हर साल हजारों लोगों को फांसी दी जाती है।

ट्रंप ने पेरिस जलवायु समझौते से हटने के कार्यकारी आदेश पर हस्ताक्षर किए, चीन को बताया जिम्मेदार

एजेंसी

वाशिंगटन । राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका के बाहर निकलने के अपने फैसले का बचाव करते हुए चीन को जिम्मेदार ठहराया। इससे पहले उन्होंने पहले कार्यकाल 2017 में इसके लिए भारत को दोष दिया था। डोनाल्ड ट्रंप ने स्पोर्टिंग एरिना में समर्थकों से कहा, मैं अन्यायपूर्ण, एकतरफा पेरिस जलवायु समझौते से तत्काल हट रहा हूं, क्योंकि जब चीन बिना किसी रोक-टोक के प्रदूषण फैला रहा है, तो अमेरिका अपने उद्योगों को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

इस अवसर पर देश के सभी हिस्सों से लोग राजधानी आए थे। यह खास समारोह आम तौर पर यूएस कैपिटल के बाहर होता था। लेकिन इस बार, समारोह को यूएस कैपिटल के अंदर कर दिया गया। इसलिए, जो लोग समारोह देखना चाहते थे, उन्हें स्पोर्टिंग एरिना में ले जाया गया। वहां उन्होंने विशाल टीवी स्क्रीन पर समारोह देखा। ट्रंप ने आगे कहा, आप

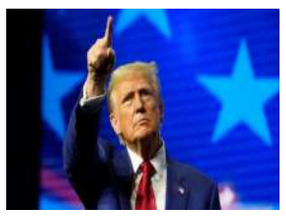

जानते हैं चीन बहुत सारी गंदी ऊर्जा का उपयोग करता है, लेकिन वे बहुत सारी ऊर्जा का उत्पादन करते हैं। जब यह हवा में जाता है, तो यह चीन में नहीं रहता, यह हवा के साथ अन्य देशों में भी पहुंचता है, जैसे कि संयुक्त राज्य अमेरिका। इसलिए, जब हम स्वच्छ हवा की बात करते हैं, तो हमें यह भी सोचना चाहिए कि अन्य देशों से आने वाली प्रदूषित हवा का क्या होगा। जब तक सभी देश स्वच्छ ऊर्जा का उपयोग नहीं करते, तब तक स्वच्छ हवा की बात करना व्यर्थ है। इस प्रकार अमेरिका एक बार फिर पेरिस जलवायु समझौते से बाहर हो गया है। ट्रंप ने जश्न खत्म होने से पहले ही काम शुरू कर दिया और एक आदेश पर हस्ताक्षर करके बाइडन प्रशासन के कई नियमों को रद्द कर दिया। यह सब उनके समर्थकों के सामने हुआ, जो स्पोर्टिंग एरिना में पूरे दिन इसका इंतजार कर रहे थे। राष्ट्रपति के निर्देश पर उद्घोषक ने कहा, राष्ट्रपति ने बाइडन प्रशासन के समय के 78 आदेशों, कार्यवाहियों और ज्ञापनों को रद्द करने वाले आदेश पर हस्ताक्षर किए हैं।÷ यह हस्ताक्षर स्टेडियम में बने एक विशेष मंच पर, राष्ट्रपति की मोहर के साथ किए गए।

विदेश मंत्री जयशंकर मोदी के विशेष दूत के रूप में डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन समारोह में हुये शामिल

वाशिंगटन/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विशेष दूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व

किया। विदेश मंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह सुबह सेंट जॉन्स चर्च में उद्घाटन दिवस प्रार्थना सेवा में शामिल हुए।उन्होंने कहा, आज वाशिंगटन डीसी में अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में विदेश मंत्री और प्रधान मंत्री के विशेष दूत के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने का सौभाग्य मिलाआज सुबह सेंट जॉन्स चर्च में उद्घाटन दिवस प्रार्थना सेवा में भाग लिया।

महिला शिक्षा पर प्रतिबंध इस्लाम के खिलाफ, लड़कियों के लिए फिर से खुलें स्कूल : तालिबान के उप विदेश मंत्री

एजेंसी

काबुल । तालिबान के कार्यवाहक उप विदेश मंत्री ने अफगान लड़कियों के लिए स्कूल खोले जाने की अपील की है। यह टिप्पणी हाल के वर्षों में किसी तालिबान अधिकारी की तरफ से देश में महिला शिक्षा पर प्रतिबंध की सबसे कड़ी सार्वजनिक आलोचनाओं में से एक है। लड़कियों की शिक्षा पर पाबंदी एक ऐसी नीति है जिसने तालिबान को दुनियाभर से अलग-थलग कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शेर मोहम्मद अब्बास स्तानेकजई ने सप्ताहांत में एक भाषण में कहा कि लड़कियों और महिलाओं की शिक्षा पर प्रतिबंध इस्लामी शरिया कानून के अनुरूप नहीं है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, मंत्री ने तालिबान के प्रशासन के नाम का जिक्र करते हुए कहा, हम इस्लामिक अमीरात

के नेताओं से शिक्षा के दरवाजे खोलने का अनुरोध करते हैं। उन्होंने कहा, पैगंबर मुहम्मद के समय में ज्ञान के दरवाजे पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए खुले थे।कार्यवाहक उप विदेश मंत्री ने अफगानिस्तान की महिला आबादी का जिक्र करते हुए कहा, ''आज, चालीस करोड़ की आबादी में से हम बीस करोड़ लोगों के खिलाफ अन्याय कर रहे हैं।'' तालिबान का दावा है कि वे इस्लामी कानून और अफगान संस्कृति की अपनी व्याख्या के अनुसार महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करते हैं। हालांकि उन्होंने 2022 में लड़कियों के लिए हाई स्कूल खोलने के वादे पर यू-टर्न लिया। 2022 के अंत में महिला छात्रों के लिए विश्वविद्यालयों को बंद कर दिया।तालिबान प्रशासन तब से कहता रहा है कि वह स्कूलों को फिर से खोलने की योजना पर काम कर रहा है, लेकिन उसने कोई समयसीमा नहीं बताई है। इस्लामी विद्वानों सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तालिबान नीतियों की व्यापक आलोचना की गई। पश्चिमी राजनयिकों ने कहा है कि तालिबान को औपचारिक मान्यता देने का कोई भी रास्ता तब तक बंद है जब तक कि महिलाओं के प्रति उनकी नीतियों में बदलाव नहीं होता।

स्थानीय समाचार

उपायुक्त सांबा ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया

सांबा 21 जनवरी। उपायुक्त सांबा राजेश शर्मा ने गणतंत्र दिवस 2025 की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए रानी सुचेत सिंह खेल स्टेडियम का दौरा किया।

एसएसपी सांबा वरिंदर सिंह मन्हास और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ उपायुक्त ने बैरिकेडिंग, पैविलियन की सजावट, ग्राउंड लेवलिंग, बैठने की व्यवस्था और स्कूली टुकड़ियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस द्वारा रिहर्सल सहित प्रमुख व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

उपायुक्त ने मंच निर्माण, सफ़ाई, सड़क सौंदर्यीकरण और सुरक्षा व्यवस्था को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया। नगर निगम समिति को शहर के सौंदर्यीकरण और सरकारी भवनों को रोशन करने का काम सौंपा गया, जबकि सामाजिक वानिकी को पेड़ लगाने का निर्देश दिया गया। विभागों को सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने, निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने और हर पंचायत में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के निर्देश दिए गए।

डीडीसी ने डोडा जिले में सीआरएफ और नाबार्ड परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की

डोडा 21 जनवरी। जिला विकास आयुक्त हरविंदर सिंह ने डीसी कार्यालय परिसर के मिनी कॉन्फ्रेंस हॉल में केंद्रीय सड़क निधि और नाबार्ड योजनाओं के तहत वित्त पोषित परियोजनाओं की प्रगति का आकलन करने के लिए एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक में मुख्य योजना अधिकारी, पीडब्ल्यूडी चिनाब सर्कल और हाइड्रोलिक सर्कल के अधीक्षण अभियंता, सहायक आयुक्त राजस्व, प्रभागीय वन अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी और ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी शामिल हुए। भद्रवाह और बटोत में तैनात अधिकारी अपनी-अपनी परियोजनाओं पर अपडेट देने के लिए वर्चुअली शामिल हुए।

डीडीसी ने जिले के बुनियादी ढांचे और सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ाने के लिए चल रही परियोजनाओं में तेजी लाने के महत्व पर जोर दिया।

अधीक्षण अभियंताओं ने परियोजनाओं की स्थिति, चुनौतियों और प्रस्तावित समाधानों पर विस्तृत अपडेट प्रस्तुत किए।

भूमि अधिग्रहण, तकनीकी मंजूरी और अंतर-विभागीय समन्वय से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिसमें डीडीसी ने अधिकारियों को इन बाधाओं को तुरंत दूर करने का निर्देश दिया। विशेष रूप से भूमि विवाद, वन मंजूरी और सड़क निर्माण के मुद्दों से संबंधित देरी को हल करने पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके लिए तहसीलदारों के साथ समन्वय अनिवार्य किया गया।

डीडीसी ने एक सप्ताह के भीतर काफी विलंबित परियोजनाओं को समाप्त करने, ब्लैकलिस्ट करने और फिर से निविदा जारी करने का भी निर्देश दिया।

समीक्षा में समुदाय-केंद्रित परियोजनाओं की प्रगति को भी शामिल किया गया, जैसे कि सड़क संपर्क, सिंचाई सुविधाओं और स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे में सुधार। पीएचसी के निर्माण और इन केंद्रों तक सड़क संपर्क पर प्रकाश डाला गया, अधिकारियों को उनके समय पर पूरा होने को प्राथमिकता देने का निर्देश दिया गया। वन मंजूरी और भूमि अधिग्रहण के मुद्दों को उठाया गया, और डीडीसी ने ऐसी चुनौतियों को हल करने के लिए पूर्ण प्रशासनिक समर्थन का आश्वासन दिया।

बैठक का समापन करते हुए, डीडीसी ने गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने, निधि उपयोग में पारदर्शिता और विभागों के बीच जवाबदेही के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने अधिकारियों को प्रभावी निगरानी के लिए व्यापक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और आश्वासन दिया कि प्रशासन प्रभावशाली परिणाम सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक समर्थन प्रदान करेगा।

विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करने की शपथ ली

कठुआ 21 जनवरी। सड़क सुरक्षा क्लब ने महिला गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ के एनएसएस और एनडीएलआई क्लब के सहयोग से सड़क सुरक्षा माह 2025 अभियान के तहत 'सड़क सुरक्षा जागरूकता' उपायों पर एक ज्ञानवर्धक व्याख्यान का आयोजन किया।

मुख्य वक्ता शम्मी कुमार एआरटीओ कठुआ ने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और सड़क सुरक्षा पर अमूल्य जानकारी साझा की। उनके व्याख्यान में सीट बेल्ट और हेलमेट पहनने के महत्व, लापरवाही से गाड़ी चलाने एवं तेज गति से गाड़ी चलाने के खतरों, गाड़ी चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करने, यातायात नियमों और संकेतों का पालन करने के महत्व, दुर्घटनाओं को रोकने के उपायों, खासकर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर जोर दिया गया।

यह कार्यक्रम कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. सावी बहल के संरक्षण और सड़क सुरक्षा क्लब के संयोजक डॉ. सतीश खजूरिया की देखरेख में आयोजित किया गया। डॉ. सावी बहल ने सड़क सुरक्षा के महत्व और जिम्मेदार व्यवहार को बढ़ावा देने में शिक्षा की भूमिका पर प्रकाश डाला, जिससे यह सुरक्षित कल की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बन गया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं के चिंताजनक आंकड़ों और परिवारों तथा समुदायों पर उनके प्रभाव पर भी प्रकाश डाला तथा विद्यार्थियों से अपने-अपने क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा के राजदूत के रूप में कार्य करने का आग्रह किया। सत्र का समापन सड़क सुरक्षा शपथ के साथ हुआ, जिसमें विद्यार्थियों और संकाय सदस्यों ने अपने दैनिक जीवन में सड़क सुरक्षा उपायों का पालन करने और उन्हें बढ़ावा देने की शपथ ली। इस गतिविधि में समिति के सदस्य प्रोफेसर गोपाल शर्मा, डॉ गगन कुमार, डॉ गुरप्रीत कौर और प्रोफेसर राम मूर्ति के साथ-साथ एमवीडी विभाग के प्रतिनिधि सुरिंदर कुमार और राकेश कुमार ने भी भाग लिया। संकाय सदस्य डॉ रितु कुमार शर्मा (एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी), सौरभ दत्ता (एनडीएलआई क्लब के सचिव), प्रोफेसर यश पॉल, डॉ सोनिका जसरोटिया, संजीव जामवाल और सिखा खजूरिया भी मौजूद थे।

पाड्डर, एओआई गंग्याल से प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से भेंट की

जम्मू 21 जनवरी। जिला विकास परिषद किश्तवाड़ की अध्यक्षा पूजा ठाकुर के नेतृत्व में पाड्डर से आए प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री से भेंट की। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने उपमुख्यमंत्री को पड्डर-नागसेनी के निवासियों के सामने आने वाली समस्याओं से अवगत कराया और तत्काल समाधान की मांग की। प्रस्तुत की गई प्रमुख मांगों में सड़क संपर्क में सुधार, बिजली आपूर्ति संबंधी समस्याओं का समाधान, स्वास्थ्य सुविधाओं में वृद्धि और क्षेत्र में लंबित विकास परियोजनाओं को शीघ्र पूरा करना शामिल था। उपमुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल की बात ध्यान से सुनी और उन्हें शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया।

खाद्य सुरक्षा विकास की गारंटी है

खाद्य सुरक्षा आज के समय में सिर्फ भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक गंभीर मुद्दा बन चुकी है। खासकर जब जनसंख्या बढ़ती जा रही है, तो हर देश के लिए अपने नागरिकों को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश के लिए खाद्य सुरक्षा योजना की आवश्यकता और भी बढ़ जाती है।अगर हम भारत के पड़ोसी देशों की स्थिति पर नजर डालें, तो यह समस्या और भी स्पष्ट हो जाती है। श्रीलंका और पाकिस्तान जैसे देशों में भुखमरी के हालात पैदा हो चुके हैं। वहां की सरकारें खाद्य सामग्रियों की आपूर्ति और कीमतों को नियंत्रित करने में नाकाम साबित हो रही हैं। इस कारण से खाद्य सामग्रियों की भारी कमी हो गई है, और जो सामग्री उपलब्ध है, उसकी कीमतें आसमान छू रही हैं। इन देशों के लोग भूखे पेट सोने को मजबूर हो रहे हैं, जो कि बहुत चिंताजनक है। लेकिन भारत के बारे में सबसे अच्छी बात यह है कि यहां सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से ले रही है। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर कई योजनाएं चलायी जाती हैं ताकि सबको पर्याप्त भोजन मिले और कोई भी व्यक्ति भूखा ना सोये। इसमें खाद्य सुरक्षा योजना (Khadya suraksha yojana) का महत्वपूर्ण योगदान है, जिसके तहत जरूरतमंद लोगों को रियायती दरों पर अनाज उपलब्ध कराया जाता है।

भारत की खाद्य सुरक्षा योजना (Khadya suraksha yojana) ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव किया है। इस योजना के तहत, सरकार सुनिश्चित करती है कि देश के हर गरीब और वंचित व्यक्ति को कम से कम इतनी मात्रा में भोजन मिले कि वह भूखा न रहे। यह योजना न केवल लोगों के पेट भरने में सहायक सिद्ध हो रही है, बल्कि इससे देश की आर्थिक स्थिति को भी स्थिर बनाए रखने में मदद मिल रही है।

खाद्य सुरक्षा योजना क्या है?

खाद्य सुरक्षा का मतलब होता है कि सभी लोगों को पर्याप्त,अच्छा और पोषक तत्वों से भरपूर भोजन मिले। इसके अलावा इसका मकसद यह है कि किसी भी इंसान को भूखा न रहना पड़े, चाहे वो किसी भी वर्ग का हो और किसी भी क्षेत्र में रहता हो। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सरकारें खाद्य सुरक्षा योजना और इससे सम्बंधित कई योजनाएं और प्रोग्राम्स चलाती हैं ताकि हर व्यक्ति को खाने के लिए पर्याप्त भोजन मिल सके।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की शुरुआत

भारत में खाद्य सुरक्षा को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (National Food Security Mission) की शुरुआत 2007 में की गई थी। इसका उद्देश्य अनाज, दलहन और तिलहन की पैदावार बढ़ाकर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना था। यह मिशन खासकर उन क्षेत्रों पर फोकस करता है जहां खाद्यान्न उत्पादन में कमी देखी जाती है।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन अधिनियम (हृस्न्न्) 2013 में लागू किया गया था, जिसे खाद्य सुरक्षा कानून के नाम से भी जाना जाता है। इस कानून के तहत, गरीब और वंचित वर्गों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जाता है। इस अधिनियम के तहत जो परिवार आते हैं उन परिवारों को 2 रुपये प्रति किलो चावल, 3 रुपये प्रति किलो गेहूं और 1 रुपये प्रति किलो मोटा अनाज दिया जाता है। हृस्न्न् के तहत पात्रता के लिए लाभार्थी परिवारों की पहचान की जाती है, जो कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में गरीबी रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोग होते हैं।

इसके अलावा, इस कानून के तहत हर गर्भवती महिला और स्तनपान कराने वाली मां को पोषण सहायता भी दी जाती है।

भारत में खाद्य सुरक्षा योजना-2024

भारत में खाद्य सुरक्षा योजना-2024 के अंतर्गत सरकार की योजनाओं में खाद्य सुरक्षा को और भी मजबूत बनाने का फोकस रहेगा। सरकार अधिक से अधिक गरीब परिवारों को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन हृस्न्न् के तहत कवर करने का प्रयास कर रही है।

इसके अलावा, किसानों को खाद्यान्न उत्पादन बढ़ाने के लिए अधिक समर्थन देने की योजना है, जिससे देश में खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।सरकार ने खाद्यान्न वितरण प्रणाली को डिजिटलीकृत करने का भी लक्ष्य रखा है ताकि वितरण में पारदर्शिता बढ़ सकेऔर अनाज सही हाथों तक पहुंचे।

इसके साथ ही, कृषि के क्षेत्र में नए तकनीकी और वैज्ञानिक उपायों को बढ़ावा देने की योजना है ताकि पैदावार में सुधार हो सके और किसानों की आय भी बढ़ाई जा सके।

राज्य सरकारों की नीतियां और योजनाएं

खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारें भी केंद्र सरकार के साथ मिलकर कई महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। राज्य सरकारें अपनी क्षेत्रीय जरूरतों और चुनौतियों के आधार पर विभिन्न योजनाएं और नीतियां लागू कर रही हैं। आइए, कुछ प्रमुख राज्य सरकारों की नीतियों और योजनाओं पर नजर डालते हैं:-

1. सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) में सुधार

कई राज्य सरकारें अपने-अपने राज्यों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) को और ज्यादा Effective और transparent बनाने के लिए कदम उठा रही हैं। उदाहरण के लिए, छत्तीसगढ़ और तमिलनाडु जैसी राज्य सरकारों ने PDS के तहत राशन कार्डधारकों को समय पर और सही मात्रा में अनाज उपलब्ध कराने के लिए डिजिटलीकरण और Biometric Verification का उपयोग

किया है। जिसके कारण खाद्य वितरण में होने वाली धांधली बहुत हद तक कम हुई है।

2. स्थानीय फसलों को बढ़ावा देना

खाद्य सुरक्षा योजना के तहत कुछ राज्य सरकारें स्थानीय फसलों को बढ़ावा देने के लिए किसानों को प्रोत्साहन दे रही हैं। उदाहरण के लिए, ओडिशा और झारखंड जैसी राज्य सरकारें मोटे अनाज (जैसे ज्वार, बाजरा) की खेती को प्रोत्साहित कर रही हैं क्योंकि ये फसलें पोषण से भरपूर होती हैं और जलवायु परिवर्तन का भी इन फसलों पर ज्यादा असर नहीं होता है।

3. मिड-डे मील और आंगनवाड़ी कार्यक्रमों में सुधार

कर्नाटक, महाराष्ट्र और केरल जैसे राज्यों ने मिड-डे मील और आंगनवाड़ी कार्यक्रमों के तहत बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार देने के लिए स्थानीय स्तर पर उत्पादित खाद्य पदार्थों का उपयोग करने की योजना बनाई है। इससे न केवल बच्चों और महिलाओं को बेहतर पोषण सुरक्षा मिलेगी, बल्कि स्थानीय किसानों की आमदनी भी बढ़ेगी।

4. आपदा प्रबंधन और खाद्यान्न भंडारण

बिहार और असम राज्य सरकारें, जो अक्सर बाढ़ और अन्य प्राकृतिक आपदाओं का सामना करती हैं, खाद्यान्न भंडारण और आपदा प्रबंधन में सुधार के लिए नई योजनाएं बना रही हैं। यह राज्य सरकारें नई तकनीकों का उपयोग कर सुरक्षित और टिकाऊ गोदामों का निर्माण कर रही हैं, ताकि आपदा के समय खाद्यान्न की कमी न हो।

5. सस्ते भोजन की योजनाएं

कुछ राज्य सरकारें गरीब और वंचित वर्गों के लिए सस्ते दर पर भोजन उपलब्ध कराने की योजनाएं चला रही हैं। तमिलनाडु में 'अम्मा कैंटीन', दिल्ली में 'जन आहार', और राजस्थान में 'अन्नपूर्णा रसोई योजना' जैसी योजनाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन योजनाओं के तहत गरीब लोगों को बहुत कम कीमत पर पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराया जाता है।

6. राज्य विशेष खाद्य सुरक्षा योजनाएं

राज्यों में अपनी खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष योजनाएं भी लागू की गई हैं। उदाहरण के लिए, पश्चिम बंगाल सरकार ने 'खाद्य साथी' योजना शुरू की है, जिसके तहत राज्य के 90न्न परिवारों को सस्ता अनाज उपलब्ध कराया जाता है। इसी तरह, हरियाणा सरकार ने 'अन्न भाग्य योजना' लागू की है, जिसमें गरीब परिवारों को मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जाता है। राज्य सरकारों की ये नीतियां और योजनाएं केंद्र सरकार के अन्न सुरक्षा योजना के लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इन प्रयासों के माध्यम से, राज्य सरकारें न केवल अपने नागरिकों के लिए भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही हैं, बल्कि उन्हें पौष्टिक आहार भी प्रदान कर रही हैं।

खाद्य सुरक्षा से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण पहलू

खाद्य भंडारण और वितरण:-

अन्न सुरक्षा योजना को सुनिश्चित करने के लिए खाद्य भंडारण और वितरण प्रणाली को मजबूत बनाना बहुत जरूरी है। सही भंडारण न होने की वजह से हर साल बड़ी मात्रा में अनाज खराब हो जाता है। सरकार इस दिशा में नए गोदाम बनाने और मौजूदा गोदामों की स्थिति सुधारने पर जोर दे रही है।

कुपोषण भी खाद्य सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। केवल पेट भरना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि सही पोषण भी जरूरी है। सरकार मिड-डे मील और आंगनवाड़ी कार्यक्रमों के जरिए बच्चों और गर्भवती महिलाओं को पौष्टिक आहार देने का प्रयास कर रही है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव:- जलवायु परिवर्तन भी खाद्य सुरक्षा को प्रभावित करता है। बाढ़, सूखा, और अन्य प्राकृतिक आपदाओं की वजह से फसल उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। सरकार इस दिशा में फसल बीमा योजना और आपदा प्रबंधन की योजनाओं को लागू कर रही है।

टिकाऊ खेती:- टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के लिए सरकार कई योजनाएं चला रही है। इसमें जैविक खेती, जल संरक्षण, और फसल विविधता पर जोर दिया जा रहा है ताकि खेती को पर्यावरण संरक्षण के अनुकूल और लाभकारी बनाया जा सके।

खाद्य सुरक्षा योजना के उद्देश्य समाज के हर वर्ग को सस्ता और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है। इस योजना का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे और सभी को पर्याप्त मात्रा में अनाज मिले। खाद्य सुरक्षा योजना के उद्देश्य में गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री का वितरण और पोषण सुरक्षा स्तर को बढ़ाना भी शामिल है, ताकि देश का हर नागरिक स्वस्थ और समृद्ध जीवन जी सके।

निष्कर्ष

खाद्य सुरक्षा किसी भी देश के विकास और समाज की समृद्धि के लिए बेहद जरूरी है। 2024 में भारत सरकार की योजनाएं इस दिशा में बड़े कदम उठा रही हैं ताकि हर व्यक्ति को भोजन की कमी का सामना न करना पड़े। खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए न केवल अनाज का उत्पादन बढ़ाना जरूरी है, बल्कि उसके सही वितरण और पोषण सुरक्षा के महत्व को भी समझना आवश्यक है। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा योजना के तहत खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और वितरण व्यवस्था में सुधार किया जा रहा है ताकि हर व्यक्ति तक सही मात्रा में और गुणवत्तापूर्ण भोजन पहुँच सके।

यह सुनिश्चित करना कि हर व्यक्ति को पर्याप्त और पौष्टिक भोजन मिले, समाज के सभी वर्गों की भलाई के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

संकलन कर्ता- सी एम शर्मा

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर

अगर आपके गार्डन में लगे पौधे में फूल और फल नहीं आ रहे हैं, या बहुत कम आ रहे हैं तो इसका एक अहम कारण पौधों में पर्याप्त न्यूट्रिशन (पोषक तत्वों) की कमी भी हो सकता है। यदि आप जानना चाहते हैं कि गार्डन के पौधों में फल और फूल लाने के लिए क्या करें, तो आप उनमें फूलों और फलों को बढ़ाने वाले जैविक फर्टिलाइजर और खाद डाल सकते हैं। कुछ उर्वरकों के इस्तेमाल से पौधों में अच्छी फ्रूटिंग (फल लगना), और फ्लावरिंग (फूल लगना) होने लगती है। यदि आप भी जानना चाहते हैं कि फल और फूल वाले पौधों के लिए कौन सी खाद अच्छी होती है? गार्डन में लगे पौधों में फूल और फल लगने के लिए कौन सी खाद डालें, तथा खाद कब और कैसे डालें? इन सभी सवालों के जवाब जानने के लिए इस आर्टिकल को लास्ट तक जरूर पढ़ें।

पौधों में फूल और फल बढ़ाने वाले पोषक तत्व -गमले या गार्डन की मिट्टी में लगे पौधों में कली, फूल और फलों की ग्रोथ के लिए फॉस्फोरस और पोटेशियम पोषक तत्व, अन्य पोषक तत्वों की तुलना में अधिक महत्वपूर्ण होते हैं।

- फॉस्फोरस युवा जड़ों को मजबूत करने और पौधे की ग्रोथ में मदद करता है।
- पोटेशियम फूलों के खिलने और फलों के पकने में मदद करता है।

इसीलिए पौधों में ज्यादा फूल और फल लाने के लिए उन उर्वरकों का इस्तेमाल किया जाता है, जिनमें फॉस्फोरस और पोटेशियम की अच्छी मात्रा होती है।

- इसके अलावा कॉपर, कैल्शियम और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्व भी पौधों में जल्दी फ्लावरिंग और फ्रूटिंग के लिए जिम्मेदार होते हैं।

पौधों के फलने और फूलने के लिए बेस्ट ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर -

आप तो पौधों में खाद और उर्वरकों को डालने का महत्व जानते ही होंगे। पौधों में फल और फूल लगते टाइम यह काफी जरूरी होता है, कि उन्हें उस समय सही न्यूट्रिएंट्स दिए जाएं। होम गार्डन में लगे पौधों में ज्यादा फल और फूल लगने के लिए आप उनमें नीचे दिए गए निम्न फर्टिलाइजर्स का इस्तेमाल जरूर करें-

बोन मील
एप्सम साल्ट
मस्टर्ड केक
रॉक फास्फेट
प्रोम मैन्योर
आर्गेनिक पोटाश फर्टिलाइजर
लिक्विड सीवीड फर्टिलाइजर

केले के छिलके की खाद

बोन मील - पौधों में बोन मील फर्टिलाइजर का उपयोग फल, फूल और सब्जियों की पैदावार बढ़ाने के लिए किया जाता है। प्लांट्स में इसका इस्तेमाल फूल और फल लगने के दौरान कर सकते हैं। अच्छी बात यह है कि इसे अधिक मात्रा में डाल देने पर भी पौधे को कोई नुकसान नहीं पहुँचता है। बोनमील उर्वरक से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी निम्न हैं

एन-पी-के वैल्यू - 3-15-0

मुख्य पोषक तत्व - फास्फोरस, कैल्शियम, नाइट्रोजन

इस्तेमाल कैसे करें - पौधे को लगाने के लिए मिट्टी तैयार करते समय, उसमें आधा चम्मच बोन मील मिला सकते हैं और पौधे में कलियों के विकास के दौरान भी एक मुट्ठी बोन मील फर्टिलाइजर पौधे की ऊपरी मिट्टी में मिलाया जा सकता है। मिट्टी में इस उर्वरक को मिलाने के बाद पानी का छिड़काव जरूर करें। बोन मील उर्वरक कितनी बार डालना चाहिए - बोन मील उर्वरक को मिट्टी में पूरी तरह से घुलने में लगभग चार महीने लगते हैं, इसलिए इस समय अवधि में फिर से फर्टिलाइजर यूज न करें।